mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-192 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
13 जुलाई 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटा, सड़क बही

● उत्तराखंड के हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड ● गाड़ियां-मशीनें मलबे में दबीं

भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ/ पटना,एजेंसी। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में लैंडस्लाइड हो गई। कई वाहन और मशीनें मलबे में दब गई।

उधर, देश के लगभग 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। राजस्थान, दिल्ली-NCR, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

फिलहाल बारिश मुख्य रूप से उत्तर भारत, पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर तक सीमित है। IMD का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून के फिर से पूरी तरह सक्रिय होने की संभावना कम है।

मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम कमजोर पड़ा... मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, देश के 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब होने के पीछे सबसे बड़ी वजह मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम का कमजोर पड़ना है। 9 जुलाई के बाद बंगाल की खाड़ी में कोई नया मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम नहीं बना, जिससे मानसूनी हवाओं को पर्याप्त नमी नहीं मिल सकी। इसके साथ ही मानसून ट्रफ भी अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक गई है। इसकी वजह से मध्य, पश्चिम और दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बादल और बारिश की गतिविधियां काफी कम हो गई हैं।

'लोगों ने गुंडाराज देखा है, इसलिए मोदी-नीतीश पर भरोसा है'

सीएम सम्राट बोले: अपराधियों के लिए यहां जगह नहीं

» मुजफ्फरपुर में मरीन ड्राइव की शुरुआत

मुजफ्फरपुर,एजेंसी। पटना की तरह मुजफ्फरपुर में भी मरीन ड्राइव का निर्माण हुआ है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज सिकंदरपुर मरीन ड्राइव लेक-1, लेक-2 और लेक-3 की शुरुआत की।

कार्यक्रम के दौरान सम्राट चौधरी ने कहा, 'बिहार के लोगों को मोदी-नीतीश पर भरोसा है, क्योंकि लोगों ने गुंडाराज देखा है। अराजकता देखी है। विरोधी कहते हैं, बिहार का खजाना खाली है, जबकि विकास हो रहा है। आपने दो दिन पहले ही देखा हमन 10 जुलाई को 98 लाख परिवार के खाते में पेंशन की राशि भेजी है। मुख्य कार्यक्रम एमआईटी परिसर में हो रहा है। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था सख्त है। शहर के कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। एनडीए ने जो 202 सीटें जीती हैं, उनमें उत्तर बिहार का बड़ा योगदान है। हम राम मंदिर की तरह माता सीता का मंदिर बनाने जा रहे है।' मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा 'मुजफ्फरपुर में आर्किटेक्चर और सिविल इंजीनियरिंग कॉलेज बनाएंगे।

1047 करोड़ की 981 योजनाओं की शुरुआत-शिलान्यास... एक दिवसीय दौरे पर सीएम मुजफ्फरपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने 1047 करोड़ रुपए की लागत से तैयार 981 विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

: ब्रीफ बॉक्स :

डिलीवरी एजेंट जबरन घर में घुसा, प्राइवेट पार्ट दिखाए

बेंगलुरु की महिला का आरोप- मना करने के बावजूद वॉशरूम गया

बेंगलुरु,एजेंसी। बेंगलुरु में फ्लिपकार्ट के एक डिलीवरी एजेंट को महिला के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान विजय मल्लिकार्जुन कामत के रूप में हुई है। महिला ने बताया कि डिलीवरी एजेंट पार्सल देने उसके घर आया था। महिला ने कहा- मैं घर में अकेली थी। डिलीवरी एजेंट ने पार्सल देने के बाद वॉशरूम इस्तेमाल करने की इजाजत मांगी, लेकिन मैंने उसे कई बार मना किया। मैंने उससे कहा कि वह किसी पड़ोसी से मदद ले सकता है। इसके बावजूद आरोपी जूते-चप्पल उतारकर जबरन फ्लैट के अंदर घुस गया। महिला का आरोप है कि वॉशरूम से बाहर आने के बाद आरोपी ने अपने प्राइवेट पार्ट दिखाए और अश्लील हरकत की।

ईरान ने मिडिल-ईस्ट के 6 देशों पर हमला किया

अमेरिकी अटैक के जवाब में कार्रवाई

तेल अवीव/तेहरान,एजेंसी। अमेरिका की एयरस्ट्राइक के बाद ईरान ने मिडिल-ईस्ट में जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। रविवार को ईरान ने 6 देशों जॉर्डन, कुवैत, बहरीन, कतर, UAE और ओमान में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और रणनीतिक ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

इससे पहले अमेरिका ने ईरान के करीब 140 सैन्य ठिकानों पर बमबारी की थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, यह बमबारी होर्मुज स्ट्रेट में साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज पर ईरान के हमले के बाद की गई।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

इंफाल में मैतेई लोगों के घरों में भीषण आगजनीए घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव

इंफाल,एजेंसी। मणिपुर की राजधानी इंफाल के पश्चिमी क्षेत्र में मैतेई समुदाय के लोगों के घरों को जलाने की घटना के बाद इलाके में तनाव पैदा हो गया है। आगजनी की इस घटना के बाद पीड़ित समुदाय के करीब 600 लोगों के समूह ने पथराव करना शुरू कर दिया। कांतो सबल इलाके में शनिवार को हुई इस घटना के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं।

सुरक्षा बलों ने टकराव से बचाव के लिए गश्त बढ़ा दी है और लोगों को एकत्रित नहीं होने दे रहे हैं। बताया गया है कि आगजनी की घटना में ज्यादातर उन घरों में आग लगाई गई जो खाली पड़े थे।

इसलिए किसी जनहानि की सूचना नहीं है। पूर्व में हुई हिंसा के चलते उनमें रहने वाले लोग इलाका छोड़कर चले गए थे। विदित हो कि प्रदेश में मैतेई और नगा समुदाय के लोगों के बीच पिछले कई वर्षों से टकराव की स्थिति बनी हुई है। इसमें जन-धन का काफी नुकसान हुआ है।

अमित शाह ने अहमदाबाद में 405 करोड़ के विकास कार्यों का किया उद्घाटन और शिलान्यास

अहमदाबाद, एजेंसी। शहर को हराभरा और प्रदूषणमुक्त बनाने के उद्देश्य से अहमदाबाद महानगरपालिका द्वारा 'मिशन फाइव मिलियन ट्री' के तहत भव्य सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रविवार को साइंस सिटी के विज्ञान भवन में आयोजित मेगा कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 405 करोड़ की विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। 'मिशन फाइव मिलियन ट्री' परियोजना के तहत शहर में हरित विकास को बढ़ावा देने वाले हेरिटेज पार्क और 101 ऑक्सीजन पार्क-अर्बन फॉरेस्ट का भी अमित शाह ने लोकार्पण किया। ग्रीन मोबिलिटी के तहत बीआरटीएस नेटवर्क में 80 नई वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत की गई। इसके साथ ही एएमटीएस के बेड़े में भी 75 नई एसी बसें शामिल की गई।

कार्यक्रम के दौरान 60.68 करोड़ की लागत से निर्मित 188 आधुनिक सरकारी आवासों का भी ई-लोकार्पण किया गया। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री ने भाड़ज, बोपल और वाडज सहित विभिन्न क्षेत्रों में सामूहिक वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया।

इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि आज मैं अहमदाबाद शहर और गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के सभी नागरिकों को हृदय से नमन और अभिनंदन करता हूं। गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में आज एक ही दिन में नागरिकों ने मिलकर 1 करोड़ 25 लाख से अधिक पौधे लगाने का भगीरथ कार्य किया है, जबकि अहमदाबाद शहर की तीनों लोकसभा सीटों में अलग से 50 लाख पौधे लगाने का महाअभियान चलाया गया है।

उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले जब उन्होंने बैठक में यह विचार रखा था, तब किसी ने स्पष्ट रूप से हां या ना नहीं कहा था, लेकिन आज जनता ने इसे साकार कर दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में हरित आवरण बढ़ाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का आह्वान किया है, ताकि लोग अपनी मां और धरती माता की स्मृति में एक-एक पौधा लगाएं।

अमित शाह ने कहा कि भारत सरकार के केंद्रीय अर्धसैनिक बलों ने सात वर्षों में 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरा किया है।

अयोध्या में श्रद्धालु घटे, होटल ऑक्यूपेंसी 25% ही बची

● राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद हालात बदले ● दुकानदारों की कमाई घटी

अयोध्या,एजेंसी। सुबह के दस बजे हैं... रामपथ पर स्थित जगद्गुरु रामानंदाचार्य द्वार से रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालु आगे बढ़ रहे हैं। कोई रामधुन गा रहा है, तो कोई 'जय श्रीराम' का उद्घोष कर रहा है। इस कतार में लगकर साफ हो जाता है कि रामलला के प्रति आस्था अटूट और अटल है, लेकिन श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े लोगों द्वारा चढ़ावा चोरी के आरोपों के बाद यहां बहुत कुछ बदल गया है।

रामपथ पर चंदन, माला की दुकान चलाने वाले एक युवक कहते हैं- श्रद्धालुओं की संख्या पहले की तुलना में 25% ही है। यहीं प्रसाद का ठेला लगाने वाले एक युवक ने बताया कि 10 दिन पहले तक रोज 4-5 हजार रु. तक बिक्री कर लेते थे। अब एक हजार भी मुश्किल है।

नया घाट पर फूल-माला बेचने सूर्य प्रकाश की भी यही पीड़ा है, जो दिनभर में 1000 से 1500 रु. तक बिक्री करते थे। अब बमुश्किल 500 रु. कमा पाते हैं।' ई-रिक्शा चलाने वाले अजय कहते हैं, अब रिक्शे का किराया और अपना खर्च भी नहीं निकल रहा है।

सुबह नाश्ते के वक्त रामपथ पर एक प्रसिद्ध रेस्टोरेंट की सभी टेबल खाली मिलीं। मैनेजर ने बताया कि दस दिन से यही हाल है। वो इसके लिए चढ़ावा चोरी के साथ ही स्कूल खुलने और बारिश को भी जिम्मेदार बताते हैं। हालांकि ज्यादातर स्थानीय दुकानदारों, ऑटो, ई-रिक्शा और होटल वालों की मानें तो श्रद्धालुओं की संख्या बहुत कम हो गई है और चढ़ावा विवाद इसका बड़ा कारण है। पहले औसतन रोज एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु आते थे, वो आंकड़ा 60-70 हजार पर आ गया है। गुजरात से आए युवा सुमित कहते हैं, 'मैं दूसरी बार आया हूं। तब दर्शन में चार घंटे लगे थे, इस बार एक घंटे में दर्शन हो गया।' अयोध्या होटल्स एसो. के प्रवक्ता अरुण अग्रवाल कहते हैं, 'अभी मिड-सेगमेंट होटलों की ऑक्यूपेंसी 25% बची है। इन्हीं के ग्राहक सबसे ज्यादा थे। अयोध्या के आसपास करीब 100 नए होटल बन रहे हैं। अगर धार्मिक पर्यटन की रफ्तार जल्द न बढ़ी तो निवेश पर भी असर पड़ेगा।' एक ट्रैवल एजेंसी के संचालक ने बताया कि ज्यादातर श्रद्धालु आसपास के हैं, जिन्हें न होटल की जरूरत है न टैक्सी की।

संतों का मत; कोई बोला- नया ट्रस्ट बनाएं, तो किसी ने इसे आस्था तोड़ने की साजिश बताया

मॉनसून सत्र: 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक, सरकार बताएगी विधायी एजेंडा

इन मुद्दों पर विपक्ष घेरने की तैयारी में

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले 19 जुलाई को सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। अधिकारियों के अनुसार, यह बैठक सुबह 11 बजे शुरू होगी। संसद के प्रत्येक सत्र से पहले आयोजित होने वाली इस बैठक में सरकार अपने विधायी एजेंडे की जानकारी देगी, जबकि विपक्षी दल उन मुद्दों को सामने रखेंगे जिन्हें वे सत्र के दौरान उठाना चाहते हैं। अधिकारियों का कहना है कि सरकार का विधायी एजेंडा इस बार काफी व्यापक है और सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा होने की संभावना है। वहीं, हाल के हफ्तों में कुछ विपक्षी दलों में सामने आए मतभेद और विभाजन के कारण सत्र के हंगामेदार रहने के भी आसार हैं।

बंगाल चुनावों के बाद हो रहा है सत्र: विधानसभा चुनावों में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में उथल-पुथल देखने को मिली है। पार्टी के 20 सांसदों ने 'नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' में विलय कर लिया है। इन सांसदों ने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग भी की है। इसके अलावा, पार्टी के तीन सांसदों ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया है।

विपक्ष इन मुद्दों को उठाएगा संसद में: शिवसेना (यूबीटी) में भी विभाजन हुआ है। लोकसभा में पार्टी के छह सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। वहीं, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सात सांसद पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं। मॉनसून सत्र के दौरान विपक्ष की ओर से NEET-UG पेपर लीक का मामला और ऑपरेशन सिंदूर में हुई हताहतों को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणियों का मुद्दा उठाए जाने की संभावना है। कांग्रेस ने इस संबंध में रक्षा मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस भी दिया है।

131 वां संविधान संशोधन बिल को फिर से ला सकती है सरकार... केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा था कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों का मॉनसून सत्र 20 जुलाई 2026 से 13 अगस्त 2026 तक बुलाने को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा था कि इस दौरान राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे।

प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे से पहले ट्रेन में खालिस्तानी नारे

आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी किया; खालड़ा का भी जिक्र, इन्हीं पर बनी 'सतलुज' बैन हुई

जालंधर,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (SFJ) ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर 'खालिस्तान जिंदाबाद' और 'मोदी मुर्दाबाद' जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं।

SFJ के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर पंजाब में आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया। जसवंत सिंह खालड़ा पर ही दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज बनी थी, जिसे रिलीज होने के दूसरे दिन ही OTT से हटा दिया गया था और अब पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। इधर, वीडियो सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियां स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं।

पुलिस उन लोगों की पहचान करने में जुटी है, जिन्होंने रात के अंधेरे में ट्रेन के डिब्बों पर ये नारे लिखे। पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी किया है। पीएम का 15 और 17 जुलाई को लुधियाना और जालंधर दौरा प्रस्तावित हैं। पीएम इन दो दिन में किसी भी दिन आ सकते हैं। जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन की नई बनी बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन वे चंडीगढ़ में भी 4 प्रोजेक्टों का उद्घाटन कर सकते हैं।

बंगाल में 20 साल बाद टाटा की वापसी संभव

सीएम शुभेंदु खुद मामले को देख रहे; ममता के आंदोलन से बंद हुआ था प्लांट

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के सिंगूर में करीब दो दशक पहले टाटा की नैनो परियोजना को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद टाटा समूह की सिंगूर में वापसी को लेकर चर्चा तेज हो रही है।

राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने कहा कि टाटा के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत चल रही है। अगर टाटा ग्रुप लौटने को तैयार होता है तो सरकार वहां किसी दूसरी कंपनी को नहीं लाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं।

हालांकि, जिन किसानों ने 2006 में नैनो के लिए अपनी जमीन दी थी, उनके लिए यह अधूरा सपना है। टाटा के सिंगूर छोड़ने के बाद हजारों परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से गुजरते रहे। करीब 3,600 ऐसे परिवारों को आज भी सरकार हर महीने दो हजार रुपये और 16 किलो चावल देती है, लेकिन कई परिवार अब भी उस सदमे से उबर नहीं पाए हैं।

जब सिंगूर आंदोलन चल रहा था तब अनिद्य दास महज 12 साल के थे। आज 32 साल के अनिद्य को रोजगार के लिए कोलकाता जाना पड़ता है।

टाटा को जमीन देने के लिए तैयार हैं लोग... 75 साल की अंगूर दास बताती हैं कि उनके पति ने छह बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। टाटा के जाने के बाद वे गहरे सदमे में चले गए और वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया। अंगूर दास कहती हैं कि यदि टाटा दोबारा लौटती है तो वे अपनी बची हुई जमीन भी देने को तैयार हैं।

बैंकिंग में एआई और क्वांटम टेक्नोलॉजी को बढ़ावा, आईआईटी दिल्ली-नेटवेस्ट ने शुरू किया फिनटेक प्रोग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाले वर्षों में बैंकिंग की तस्वीर केवल मोबाइल ऐप, एटीएम या आनलाइन लेनदेन से नहीं बदलेगी, बल्कि इसकी नई दिशा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और स्टार्टअप आधारित नवाचार तय करेंगे। इसी सोच को साकार करने के लिए नेटकवेस्ट ग्रुप और आइआइटी दिल्ली के फाउंडेशन फार इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी ट्रांसफर (फिट) ने नेटकवेस्ट फिनटेक फ्रंटियर प्रोग्राम (एनएफएफपी) की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालयों में हो रहे शोध को सीधे बैंकिंग उद्योग की जरूरतों से जोड़ते हुए प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंचाना है। भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत होगा तकनीकी सहयोग शनिवार को आइआइटी दिल्ली में अनावरण किए गए इस कार्यक्रम के तहत संस्थान के शोधकर्ता, फैकल्टी और स्टार्टअप्स नेटकवेस्ट ग्रुप की वास्तविक बैंकिंग चुनौतियों पर काम करेंगे। एआइ, डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा, डिजिटल ट्रस्ट और क्वांटम तकनीक जैसे क्षेत्रों में ऐसे समाधान विकसित किए जाएंगे, जिन्हें सीधे बैंकिंग सेवाओं में लागू किया जा सके। कार्यक्रम भारत और ब्रिटेन के बीच तकनीकी सहयोग को भी नई मजबूती देगा। कार्यक्रम दो प्रमुख ट्रैक में संचालित होगा। रिसर्च ट्रांसलेशन ट्रैक के तहत आइआइटी दिल्ली के शोध समूह बैंकिंग क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं और डेटा पर शोध करेंगे। वहीं स्टार्टअप इनोवेशन ट्रैक के माध्यम से टेक्नोलाजी रेडीनेस लेवल (टीआरएल) 8 वाले स्टार्टअप्स को अपने उत्पादों का परीक्षण, पायलट प्रोजेक्ट और व्यावसायिक विस्तार का अवसर मिलेगा। सफल नवाचारों को पेटेंट के साथ ब्रिटेन के बैंकिंग बाजार तक पहुंचाने में भी सहयोग दिया जाएगा। नेटकवेस्ट ग्रुप की कंट्री हेड (भारत) और सीओओ रुचिका पनेसर ने कहा कि भविष्य की बैंकिंग मजबूत इनोवेशन इकोसिस्टम पर आधारित होगी, जहां उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षण संस्थान मिलकर वास्तविक समस्याओं के समाधान तैयार करेंगे।

एक जुलाई से शुरू हो चुके हैं आवेदन: वहीं आइआइटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि यह साझेदारी संस्थान की शोध क्षमता को वैश्विक बैंकिंग उद्योग की जरूरतों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। इससे भारतीय स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी तकनीक प्रदर्शित करने और वैश्विक बाजार तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के पहले बैच के लिए आवेदन एक जुलाई से शुरू हो चुके हैं। रंगन बनर्जी का कहना है कि यह पहल न केवल बैंकिंग क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को नई गति देगी, बल्कि भारत को वैश्विक फिनटेक अनुसंधान और समाधान विकसित करने के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

यमुना सफाई में जनता की होगी भागीदारी, दिल्ली में डीडीए शुरू करेगा 'यमुना संवाद'

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना की सफाई में आम नागरिकों को भागीदार बनाने पर बल दिया जा रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली विकास प्राधिकरण यमुना संवाद कार्यक्रम के माध्यम से दिल्लीवासियों और विशेषज्ञों का सुझाव लेगा। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। यमुना संवाद शुरू करने से पहले कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

तैयारी के लिए कार्यशाला का आयोजन: इस वर्ष सितंबर और अगले वर्ष जनवरी में यमुना संवाद के अंतर्गत महत्वपूर्ण कार्यक्रम होंगे, जिसमें व्यापक विचार-विमर्श कर रोडमैप को अंतिम रूप दिया जाएगा। वहीं, इसकी तैयारी के लिए कार्यशाला आयोजित की जा रही है। पहली कार्यशाला में सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधि, पर्यावरण विशेषज्ञ, विज्ञानिक, शहरी नियोजक, लैंडस्केप आर्किटेक्ट, तकनीकी संस्थानों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने बाढ़ के मैदान के अनुकूल योजना और घाटों के विकास पर चर्चा की। इस तरह के आधारभूत ढांचा के निर्माण पर बल दिया गया जो प्राकृतिक बाढ़ चक्र से तालमेल बिठा सकें। साथ ही पर्यावरण के अनुकूल घाट निर्माण पर बल दिया। जल्द ही प्रकृति-आधारित समाधान, जल गुणवत्ता और जल निकासी, वित्तपोषण माडल और शासन जैसे विषयों पर दो और हितधारक कार्यशालाएं आयोजित होंगी।

दिल्ली के इतिहास और विरासत पर शोध के लिए शुरू हुई दो नई फेलोशिप, हर साल 27 शोधार्थियों का होगा चयन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इतिहास और विरासत के वैज्ञानिक अध्ययन, दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण करने के उद्देश्य से रेखा गुप्ता सरकार 'अभिलेखागार अनुसंधान फेलोशिप' और 'पुरातत्व अनुसंधान फेलोशिप' शुरू कर रही है। इससे राजधानी के इतिहास को शोध आधारित और प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। इन दोनों फेलोशिप को दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी है।

हर साल नियुक्त होंगे 15 फेलो: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अभिलेखागार अनुसंधान फेलोशिप का उद्देश्य अभिलेखों पर उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना, अभिलेख प्रबंधन को मजबूत बनाना, ऐतिहासिक रिकार्ड के डिजिटलीकरण को प्रोत्साहित करना और ऐतिहासिक महत्व के दस्तावेजों तक लोगों की पहुंच को और आसान बनाना है। इसके अंतर्गत रिकार्ड प्रबंधन, अभिलेखीय सामग्री के संरक्षण व परिरक्षण, रिकार्ड के डिजिटलीकरण, सूचना व डेटा के प्रसार, माइक्रो-फिल्मिंग एवं रिप्रोग्राफी, शोध एवं प्रकाशन तथा उर्दू और फारसी जैसी भाषाओं से जुड़े विषयों पर कार्य किया जाएगा। प्रत्येक वर्ष कुल 15 फेलो नियुक्त किए जाएंगे।

सिर्फ कोर्स नहीं, इन सुविधाओं को देखकर चुनें कॉलेज; दिव्यांग छात्रों के लिए खास व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में दाखिला लेने वाले दिव्यांग (पीडब्ल्यूबीडी) विद्यार्थियों के लिए अब केवल मनपसंद कोर्स या सीट ही नहीं, बल्कि कालेज की सुविधाएं भी भविष्य तय करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। नई शिक्षा नीति के तहत समावेशी शिक्षा पर बढ़ते जोर के बीच विश्वविद्यालय ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आरक्षण, फीस में छूट, हास्टल सहायता और आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण संसाधनों की व्यापक व्यवस्था की है। ऐसे में प्रवेश से पहले कालेज की एक्सेसिबिलिटी और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लेना विद्यार्थियों के लिए उतना ही जरूरी है, जितना सही कोर्स चुनना। डीयू की प्रवेश डीन प्रो. हनीत गांधी का कहना है कि छात्रों को केवल कटआफ या कालेज की रैंकिंग देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। उन्हें यह भी देखना चाहिए कि कालेज में रैंप, लिफ्ट, दिव्यांग-अनुकूल शौचालय, रिसोर्स सेंटर, पुस्तकालय, सहायक तकनीक और अकादमिक सहायता जैसी सुविधाएं किस स्तर की हैं।

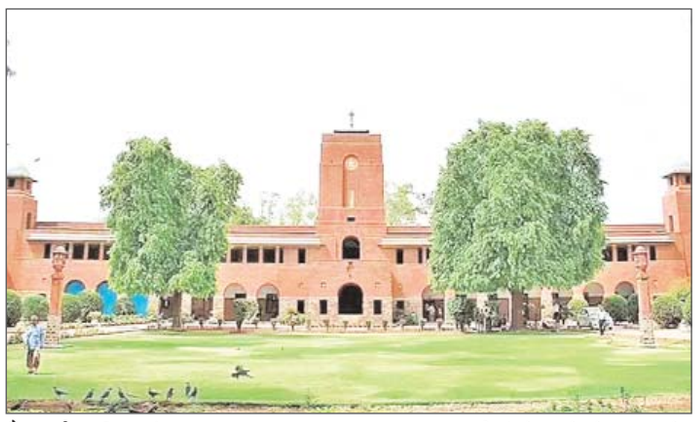

समान अवसर सेल उपलब्ध कराता है कई सुविधाएं: विश्वविद्यालय का समान अवसर सेल दिव्यांग विद्यार्थियों को डिजिटल स्टडी मैटेरियल, नोट्स, रीडर, स्क्राइब, काउंसलिंग, छात्रवृत्ति संबंधी मार्गदर्शन और परीक्षा में अतिरिक्त समय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। जरूरत के अनुसार व्यक्तिगत शैक्षणिक सहयोग और सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए जाते हैं। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधाओं के मामले में लेडी श्रीराम कालेज (एलएसआर) सबसे आगे माना जाता है। यहां स्थित स्वावलंबन रिसोर्स सेंटर में ब्रेल डिस्प्ले, स्क्रीन रीडर साफ्टवेयर, ई-टेक्स्ट, आडियो बुक्स और अन्य आधुनिक सहायक उपकरण उपलब्ध हैं। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को इन उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। किरोड़ीमल कालेज ने प्रोजेक्ट समावेश शुरू किया है। इसके तहत स्वयंसेवी छात्र दिव्यांग विद्यार्थियों को कक्षाओं तक पहुंचने, नोट्स उपलब्ध कराने, पुस्तकालय के उपयोग और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग करते हैं। कालेज समय-समय पर समावेशी शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

इसके अलावा मिरांडा हाउस, हिंदू कालेज, हंसराज कालेज, श्री वेंकटेश्वर कालेज, रामजस कालेज, दौलत राम कालेज, शहीद भगत सिंह कालेज और देशबंधु कालेज में रैंप, लिफ्ट, दिव्यांग-अनुकूल शौचालय, व्हीलचेयर, टैक्टाइल पाथ, रेलिंग और आरक्षित पार्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अधिकांश कालेजों के पुस्तकालयों में ई-कंटेंट और डिजिटल संसाधन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

5 प्रतिशत सीटें पीडब्ल्यूडी श्रेणी के लिए आरक्षित

डीयू में यूजी और पीजी के प्रत्येक पाठ्यक्रम में 5 प्रतिशत सीटें पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आरक्षित हैं। सीटों की संख्या हर कोर्स की कुल स्वीकृत क्षमता के आधार पर तय होती है। उदाहरण के तौर पर 40 सीटों वाले कोर्स में करीब 2, 60 सीटों में 3, 80 सीटों में 4 और 100 सीटों वाले कोर्स में लगभग 5 सीटें पीडब्ल्यूबीडी विद्यार्थियों के लिए आरक्षित होती विश्वविद्यालय आर्थिक रूप से भी दिव्यांग छात्रों को बड़ी राहत देता है। उन्हें कुल फीस में 75 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। कई पाठ्यक्रमों में ट्यूशन फीस, परीक्षा शुल्क और अन्य विश्वविद्यालय शुल्क माफ कर दिए जाते हैं। सामान्य तौर पर छात्रों को केवल प्रवेश शुल्क, डीयूएसयू शुल्क और पहचान पत्र शुल्क का भुगतान करना होता है। हास्टल में रहने वाले पीडब्ल्यूबीडी विद्यार्थियों के लिए भी विशेष व्यवस्था है। हास्टल फीस पूरी तरह माफ रहती है। केवल रिफंडेबल सिक्योरिटी और मेस शुल्क देना होता है। मेस शुल्क का 50 प्रतिशत विश्वविद्यालय वहन करता है, जबकि बाकी 50 प्रतिशत विद्यार्थी जमा करते हैं।पीडब्ल्यूबीडी छात्रों के लिए डीयू की बड़ी सुविधाएं - 5 प्रतिशत सीटें यूजी और पीजी के सभी पाठ्यक्रमों में आरक्षित। - 75 प्रतिशत तक फीस में छूट, कई मामलों में ट्यूशन और परीक्षा शुल्क भी माफ - हास्टल फीस पूरी तरह माफ, मेस शुल्क में 50 प्रतिशत सब्सिडी। - परीक्षा में अतिरिक्त समय और स्क्राइब (राइटर) की सुविधा।

दिल्ली में फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से 16.50 लाख की लूट, पिस्तौल दिखाकर छीना नकदी से भरा बैग

नईदिल्ली, एजेंसी। गांधी नगर थानाक्षेत्र की राजगढ़ कालोनी में शुक्रवार शाम स्कूटी सवार दो बदमाशों ने पिस्तौल के बल पर फाइनेंस कंपनी कर्मचारी से 16.50 लाख रुपये की लूट को अंजाम दे दिया। बदमाश कंपनी आफिस के गेट पर ही नकदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। वारदात की सीसीटीवी फुटेज प्रसारित हो रही है जिसमें बदमाश स्कूटी से आते और पिस्तौल तानकर लूट करते दिखाई दे रहे हैं। संदीप दुआ राजगढ़ में एसडी एंटरप्राइजेज के नाम से फाइनेंस कंपनी चलाते हैं। उनका कर्मचारी आशीष सरीन विभिन्न स्थानों से कलेक्शन कर शुक्रवार शाम को कंपनी आफिस पहुंचा था। लूट के विरोध पर तानी पिस्तौल वह बाइक से उतरा ही था कि पीछे से एक स्कूटी पर दो बदमाश आए और उसका बैग लूटने का प्रयास करने लगे।

उसने विरोध किया तो हेलमेट लगाए लुटेरे ने पिस्तौल आशीष पर तान दी। घबराकर आशीष ने बैग छोड़ दिया। इसके बाद बदमाश स्कूटी पर बैठकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर आरोपितों की पहचान का प्रयास शुरू कर दिया है। डीसीपी शाहदरा आरपी मीणा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर लुटेरों की तलाश की जा रही है। वारदात में किसी जानकार का हाथ हो सकता है। इसके अलावा बदमाशों ने आशीष की रेकी की थी या नहीं यह भी देखा जा रहा है। जल्द ही आरोपितों को पकड़ लिया जाएगा।

सीसीटीवी फुटेज हो रही प्रसारित

घटना की सीसीटीवी फुटेज भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि शाम चार बजकर नौ मिनट पर जैसे ही आशीष अपने आफिस पहुंचे पीछे से लाल स्कूटी पर आए बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर लूट को अंजाम दिया। एक बदमाश ने हेलमेट पहना था जबकि दूसरा बिना हेलमेट था। पुलिस अन्य सीसीटीवी फुटेज की मदद से स्कूटी का नंबर जानने व बदमाशों की पहचान में जुटी है।

दिल्ली में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार, बड़ी वारदात की रच रहे थे साजिश

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो आजमगढ़ और एक दिल्ली का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए तीनों शूटर दिल्ली में एक बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में जुटे थे और टारगेट किलिंग की साजिश रच रहे थे। लेकिन इसी दौरान रोहिणी जिला पुलिस को उनके मूवमेंट के बारे में जानकारी मिली और उन्हें दबोच लिया गया।

पुलिस को मिली थी खुफिया सूचना: पुलिस का दावा है, इन शूटरों की गतिविधियों के बारे में खुफिया सूचना मिली थी और इसके बाद स्पेशल स्टाफ ने उन्हें ट्रैक करना शुरू कर दिया। फिर बाद में निगरानी और तकनीकी जांच के आधार पर तीनों को दबोच लिया गया।

कई आपराधिक घटनाओं में वांटेड: पुलिस ने बताया कि इन शूटर्स को विदेश में बैठे नेटवर्क के जरिए जानकारी मिल रही थी, जिसके बाद इन्हें वारदात को अंजाम देना था। गिरफ्तार शूटर दिल्ली में हुई कई आपराधिक घटनाओं में वांटेड थे। यह भी पता चला है कि वे पहले कई आपराधिक घटनाओं का अंजाम दे चुके हैं, इनमें हत्या और फायरिंग की घटना आदि शामिल है।

विस्थापित-वंचित कश्मीरी महिलाओं के सशक्तीकरण को मान्यता, हेमअथ NGO विश्व मंच पर बुलंद करेगा आवाज़

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। विश्व निकाय ने विस्थापित और सुविधाओं से वंचित कश्मीरी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम करने वाले अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी संगठन (एनजीओ) 'हेमअथ इंक' को विशेष सलाहकार के रूप में मान्यता दी है। इस दर्जे से संगठन संयुक्त राष्ट्र के साथ सक्रिय रूप से जुड़ सकेगा और महिला सशक्तीकरण की वह आवाज वैश्विक मंच पर उठा सकेगा, जिनकी बात अक्सर अनसुनी रह जाती है। हेमअथ इंक को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) में विशेष सलाहकार का दर्जा दिया गया है। यह परिषद संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है और सतत विकास के आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरणीय पहलुओं को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। हेमअथ इंक की संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. शकुन मलिक ने कहा, संयुक्त राष्ट्र से मिली यह विशिष्ट मान्यता संगठन की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हेमअथ को विशेष सलाहकार के दर्जे का प्रस्ताव रखा गया है। अमेरिका की प्रतिष्ठित कैंसर रोग विशेषज्ञ और समाजसेवी डॉ. शकुन मलिक ने कहा, विस्थापित कश्मीरी महिलाओं के लिए जमीनी स्तर पर शुरू की गई।

अमेरिका में भारतीय मूल की महिला की हत्या: बेटा घायल, आरोपी पति गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक व्यक्ति को अपनी भारतीय मूल की पत्नी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने और अपने बेटे को घायल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी किर्क बी रेजियन (56 वर्षीय) को मंगलवार रात अटलांटा के पास कॉब काउंटी में घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उसे कॉब काउंटी के वयस्क हिरासत केंद्र में रखा गया है और जमानत पर रिहा नहीं किया गया है। उनकी पत्नी 57 वर्षीय शीतल रेजियन स्मिरना में लॉरेल क्रीक ट्रेल स्थित अपने घर के अंदर घायल मिलीं। उन्हें गोली लगी हुई थी। बाद में उनकी मौत हो गई। उनके 23 वर्षीय बेटे जेसन रेजियन घर के बाहर गोली लगने से

घायल हालत में मिले। आपातकालीन टीम उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गई। पुलिस को रात करीब 8 बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति को गोली लगी है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पुलिस ने किर्क रेजियन की पहचान शीतल के पति और जेसन के पिता के रूप में की।

आरोपी पर कौन-कौन से आरोप लगाए गए: स्थानीय समाचारों के अनुसार, कॉब काउंटी पुलिस ने किर्क पर हत्या, गंभीर हमले के दो आरोप और किसी गंभीर अपराध के दौरान हथियार रखने के दो आरोप लगाए हैं। पुलिस ने इस घटना को घरेलू हिंसा का मामला बताया। पुलिस के अनुसार, आम लोगों के लिए अब कोई खतरा नहीं है।

गोलीबारी की वजह अब तक सामने नहीं आई : अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि गोलीबारी किस वजह से हुई। जेसन की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में भी कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। जांच के दौरान पुलिस ने कई घंटों तक लॉरेल क्रीक ट्रेल इलाके को बंद रखा। इस घटना से इलाके के लोग हैरान हैं। यहां कुछ परिवार कई दशकों से रह रहे हैं।

खबर लिखी या खोला राज: एयरफोर्स वन की खबर छापनी पड़ी भारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कतर की ओर से उपहार में मिले विमान को एयर फोर्स वन के बेड़े में शामिल किए जाने और उससे जुड़ी सुरक्षा संबंधी खबरें प्रकाशित करने के बाद अमेरिकी न्याय विभाग ने न्यूयॉर्क टाइम्स के कई पत्रकारों को समन जारी किया है। इस कार्रवाई को ट्रंप प्रशासन की मीडिया के खिलाफ चल रही मुहिम का अब तक का सबसे आक्रामक कदम माना जा रहा है। प्रेस की स्वतंत्रता के समर्थकों ने इसकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि यह अमेरिकी लोकतंत्र की सबसे बुनियादी आजादियों में से एक, प्रेस की स्वतंत्रता, पर सीधा प्रहार है।

क्या नए एयर फोर्स वन को लेकर विवाद की शुरुआत कैसे हुई: अमेरिका के सहयोगी देश कतर की ओर से उपहार में मिले इस नए विमान को ट्रंप प्रशासन ने करीब 40 करोड डॉलर खर्च कर आधुनिक तकनीक से लैस किया और इसमें कई जरूरी बदलाव किए। यह विमान पिछले सप्ताह ही सेवा में शामिल हुआ था। हालांकि, ट्रंप ने तुर्किये में नाटो सम्मेलन से लौटते समय पुराने एयर फोर्स

वन का इस्तेमाल किया। बाद में उन्होंने ईरान की ओर से खुद को मिलने वाली धमकियों का भी जिक्र किया।

किन पत्रकारों को समन भेजा गया और क्यों: समन के जरिए पत्रकारों को अगले सप्ताह मैनहैटन की संघीय ग्रैंड जूरी के सामने गवाही देने के लिए बुलाया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, संघीय एजेंट कुछ पत्रकारों के घर तक समन पहुंचाने गए। बताया गया कि यह कार्रवाई एफबीआई निदेशक काश पटेल और न्याय विभाग के अन्य अधिकारियों की व्हाइट हाउस में हुई बैठक के बाद की गई। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने, नाम गोपनीय रखने की शर्त पर, यह जानकारी दी। समन पाने वाले पत्रकारों में जूलियन ई. बार्न्स, एरिक लिप्टन, टायलर पेजर और एरिक श्मिट शामिल हैं।

क्या एफबीआई ने खबर रोकने और सूत्र बताने की मांग की थी: न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि पहली खबर प्रकाशित होने से पहले एफबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अखबार के एक रिपोर्टर और संपादक से संपर्क कर खबर रोकने का अनुरोध किया था। अधिकारी ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया, लेकिन यह नहीं बताया कि सुरक्षा को किस तरह का खतरा है। साथ ही उन्होंने खबर के सूत्रों की जानकारी भी मांगी, जिसे अखबार ने देने से इनकार कर दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स के वकील डेविड मैक्राउ ने कहा कि अगर संघीय कानून प्रवर्तन एजेंट पत्रकारों के घर के दरवाजे पर पहुंच रहे हैं, तो यह हर उस अमेरिकी के लिए चिंता का विषय होना चाहिए जो संविधान और प्रेस की स्वतंत्रता में विश्वास रखता है। इस मामले में व्हाइट हाउस ने समन को लेकर भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया।

क्या प्रेस संगठनों ने इस कार्रवाई का विरोध किया: रिपोर्टर्स कमेटी फॉर फ्रीडम ऑफ द प्रेस के अध्यक्ष ब्रूस डी. ब्राउन ने कहा कि ट्रंप की 'मीडिया के खिलाफ जंग अब एक और शिकार तलाश रही है।' उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई न्याय विभाग की उस लंबे समय से चली आ रही परंपरा के खिलाफ है, जिसके तहत पत्रकारों से जानकारी तभी मांगी जाती थी जब जांच के बाकी सभी रास्ते पूरी तरह खत्म हो जाते थे।

न्याय विभाग ने अपनी कार्रवाई का क्या बचाव किया: अमेरिकी न्याय विभाग ने स्पष्ट किया कि पत्रकार जांच के निशाने पर नहीं हैं, बल्कि वे लोग हैं जिन्होंने गोपनीय सरकारी जानकारी लीक की है। विभाग ने कहा कि हम इस देश में प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करते हैं, लेकिन न्याय विभाग की जिम्मेदारी यह भी है कि जिन लोगों को देश के गोपनीय दस्तावेज सौंपे गए हैं, वे उन्हें सार्वजनिक न करें।' विभाग ने माना कि प्रेस और सरकार के बीच स्वाभाविक तनाव हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी लीक करने वालों के खिलाफ जांच रोक दी जाए।

क्या यह मीडिया के खिलाफ ट्रंप की बड़ी मुहिम का हिस्सा है: पत्रकारों को समन भेजना ट्रंप प्रशासन की उस रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें संघीय सरकार की ताकत का इस्तेमाल कर स्वतंत्र मीडिया संस्थानों पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। आलोचकों का कहना है।

संकीर्तन और आध्यात्मिक संदेशों के साथ डॉ. स्वामी युगल शरण का चार दिवसीय सत्संग संपन्न, शहडोल में उमड़े श्रद्धालु

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में ब्रज गोपिका सेवा मिशन के तत्वावधान में आयोजित पूज्य डॉ. स्वामी युगल शरण के चार दिवसीय दिव्य सत्संग का रविवार को भव्य समापन हुआ। 10 जुलाई से 13 जुलाई तक आयोजित इस आध्यात्मिक आयोजन में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सत्संग के दौरान भक्तों ने आध्यात्मिक प्रवचनों, भजन-कीर्तन और संकीर्तन का लाभ उठाया। समापन अवसर पर पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। चार दिनों तक चले इस सत्संग में डॉ. स्वामी युगल शरण ने श्रद्धालुओं को जीवन के आध्यात्मिक उद्देश्य, भक्ति मार्ग और ईश्वर स्मरण के महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया उन्होंने अपने प्रवचनों में कहा कि मानव जीवन केवल भौतिक सुख-सुविधाओं तक सीमित नहीं है बल्कि इसका सर्वोच्च उद्देश्य ईश्वर की प्राप्ति करना है स्वामी युगल शरण ने कहा कि मनुष्य अपने जीवन में सुख और शांति की तलाश में अनेक प्रकार के भौतिक साधनों के पीछे भागता रहता है लेकिन वास्तविक आनंद और संतोष ईश्वर के स्मरण, सत्संग और सेवा भावना से प्राप्त होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को नियमित रूप से नाम-स्मरण, साधना और निष्काम भक्ति अपनाने का संदेश दिया। प्रवचन के दौरान स्वामी युगल शरण ने गुरु कृपा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन मिलने से व्यक्ति आध्यात्मिक उन्नति की ओर बढ़ सकता है उन्होंने कहा कि सत्संग मनुष्य के विचारों को सकारात्मक दिशा देता है और जीवन में अच्छे संस्कारों का विकास करता है उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अपने दैनिक जीवन में प्रेम, करुणा, सेवा, सदाचार और आध्यात्मिक अनुशासन को स्थान दें। उनके अनुसार, ईश्वर की भक्ति केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव सेवा और अच्छे आचरण के माध्यम से भी ईश्वर के करीब पहुंचा जा सकता है। सत्संग के दौरान आयोजित भजन-कीर्तन और संकीर्तन कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से जोड़ दिया भक्तों ने उत्साह के साथ भजनों में भाग लिया और पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। संकीर्तन के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे नजर आए कई श्रद्धालुओं ने बताया कि सत्संग में शामिल होकर उन्हें मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक प्रेरणा प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि स्वामी युगल शरण के प्रवचनों ने उन्हें जीवन को बेहतर तरीके से समझने और आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। आयोजन को सफल बनाने में ब्रज गोपिका सेवा मिशन के स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं की सुविधा, व्यवस्था प्रबंधन और अन्य सेवा कार्यों में सक्रिय योगदान दिया सत्संग के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। समापन अवसर पर ब्रज गोपिका सेवा मिशन के पदाधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों को धर्म, सेवा तथा सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है।

चार दिवसीय सत्संग के माध्यम से शहडोल में आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण हुआ कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालुओं ने इसे आत्मिक शांति और प्रेरणा देने वाला अनुभव बताया डॉ. स्वामी युगल शरण के संदेशों ने लोगों को ईश्वर भक्ति, सेवा और सदाचार के महत्व से परिचित कराया।

पद्म पुरस्कार-2027 के नामांकन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 15 जुलाई तक भेजे जा सकेंगे प्रस्ताव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार ने वर्ष 2027 के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन एवं अनुशंसा प्रस्ताव ऑनलाइन भेजने की अंतिम तिथि में वृद्धि की है पहले नामांकन प्रस्ताव भेजने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई थी, जिसे अब बढ़ाकर 15 जुलाई 2026 कर दिया गया है जिला प्रशासन ने इस संबंध में सभी विभाग प्रमुखों को समय-सीमा का पालन करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने जिले के सभी विभागों के प्रमुख अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने विभागों के अंतर्गत आने वाले ऐसे पात्र और उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों की पहचान करें जिन्होंने समाज, राष्ट्र या अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। ऐसे व्यक्तियों के नामांकन प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में तैयार कर आवश्यक अभिलेखों के साथ 15 जुलाई 2026 के पूर्व कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने बताया कि जिला स्तर से प्राप्त नामांकन प्रस्तावों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से भारत सरकार को भेजा जाएगा इसके लिए सभी संबंधित विभागों को समय रहते दस्तावेजों की जांच, प्रस्ताव तैयार करने और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि नामांकन प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी की जा सके। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने यह भी स्पष्ट किया है कि अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी नामांकन प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा इसलिए सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना विलंब किए पात्र व्यक्तियों के नामांकन प्रस्ताव तैयार कर कार्यालय में जमा कराएं उल्लेखनीय है कि पद्म पुरस्कार भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं इन पुरस्कारों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण और विशिष्ट योगदान देने वाले नागरिकों को सम्मानित किया जाता है। कला, साहित्य एवं शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, सामाजिक सेवा, खेल, लोक सेवा, उद्योग सहित अनेक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को इन पुरस्कारों के लिए चुना जाता है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों और विभागों से भी अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले ऐसे व्यक्तियों की जानकारी उपलब्ध कराएं जिनका योगदान समाज के लिए प्रेरणादायक है इससे जिले की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और सम्मान प्राप्त करने का अवसर मिल सकेगा प्रशासन ने सभी विभागों से कहा है कि पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन प्रक्रिया को गंभीरता से लेते हुए समय-सीमा के भीतर सभी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। निर्धारित तिथि तक प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद ही उन्हें आगे की प्रक्रिया के लिए भेजा जा सकेगा।

15 दिन बाद स्वस्थ हुए भगवान जगन्नाथ, रीवा में औषधियों और जड़ी-बूटियों से हुआ उपचार; 16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथ यात्रा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के प्राचीन लक्ष्मणबाग संस्थान स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा के तहत रविवार को भगवान जगन्नाथ के स्वस्थ होने की विधि पूरी की गई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार 15 दिनों के अनुसर (अनवसर) काल के बाद भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा अब स्वस्थ हो गए हैं इस अवसर पर राजवैद्य द्वारा आयुर्वेदिक औषधियों और जड़ी-बूटियों से भगवान का उपचार किया गया इसके साथ ही अब 16 जुलाई को निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। परंपरा के अनुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की महास्नान यात्रा आयोजित की जाती है मान्यता है कि इस विशेष स्नान के बाद भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं और उन्हें ज्वर आने के कारण वे विश्राम के लिए चले जाते हैं इसी धार्मिक परंपरा के तहत 30 जून से मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए गए थे इस दौरान भक्तों को भगवान के प्रत्यक्ष दर्शन नहीं होते हैं। अनसर काल के दौरान मंदिर में विशेष धार्मिक विधि-विधान के साथ भगवान की सेवा की जाती है राजवैद्य द्वारा आयुर्वेदिक औषधियों, जड़ी-बूटियों और विशेष भोग के माध्यम से भगवान के स्वास्थ्य लाभ की कामना की जाती है रविवार को उपचार की धार्मिक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद भगवान को स्वस्थ घोषित किया गया इसके बाद मंदिर में दर्शन की प्रक्रिया पुनः शुरू होने की तैयारी की गई। अब 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे रथ यात्रा को लेकर मंदिर परिसर में विशेष सजावट की जा रही है रथ को अंतिम रूप देने का कार्य भी तेजी से चल रहा है यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। श्री जगन्नाथ मंदिर के मुख्य पुजारी ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की अनसर परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और जीवन के नियमों के प्रति आस्था का प्रतीक भी है इस परंपरा में भगवान को मानव स्वरूप मानकर उनकी सेवा, विश्राम और उपचार किया जाता है अनसर अवधि में भगवान को हल्का एवं औषधीय भोग अर्पित किया जाता है तथा विशेष पूजा-अर्चना के माध्यम से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की जाती है। उन्होंने बताया कि यह परंपरा वर्षों से बिना किसी बदलाव के चली आ रही है और आज भी श्रद्धालु पूरी आस्था के साथ इसका पालन करते हैं भगवान के स्वस्थ होने के बाद भक्तों में रथ यात्रा को लेकर विशेष उत्साह रहता है क्योंकि मान्यता है कि इस दिन भगवान स्वयं मंदिर से बाहर निकलकर अपने भक्तों को दर्शन देते हैं।

बरगवां में बसों और ऑटो से शुल्क वसूली पर उठे सवाल, सुविधाओं के अभाव में यात्रियों और चालकों ने जताई नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले की नगर परिषद बरगवां क्षेत्र में बसों और ऑटो चालकों से यातायात शुल्क वसूले जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने शुल्क वसूली पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि जब नगर परिषद द्वारा राशि ली जा रही है तो यात्रियों और चालकों को उसके अनुरूप मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। जानकारी के अनुसार नगर परिषद क्षेत्र में संचालित बसों से 50 रुपये और ऑटो चालकों से 10 रुपये का शुल्क लिया जा रहा है हालांकि वाहन चालकों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिस स्थान पर यह शुल्क वसूला जाता है वहां यात्रियों और वाहन चालकों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं क्षेत्र में न तो व्यवस्थित बस स्टैंड है और न ही ऑटो स्टैंड की उचित व्यवस्था की गई है यात्रियों का कहना है कि बसों का इंतजार करने के लिए उन्हें लंबे समय तक खुले स्थान पर खड़ा रहना पड़ता है खासतौर पर बारिश के मौसम में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय, पेयजल और शौचालय जैसी जरूरी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है ऐसे में शुल्क वसूली को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। बस और ऑटो चालकों का कहना है कि वे नगर परिषद द्वारा निर्धारित शुल्क का विरोध नहीं कर रहे हैं लेकिन शुल्क लेने के साथ-साथ सुविधाएं उपलब्ध कराना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है उनका कहना है कि यदि यातायात व्यवस्था के नाम पर राशि ली जा रही है तो पहले यात्रियों के लिए बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए वाहन चालकों ने मांग की है कि क्षेत्र में व्यवस्थित बस स्टैंड और ऑटो स्टैंड का निर्माण कराया जाए, जहां यात्रियों के बैठने, पानी और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए केवल शुल्क वसूली पर्याप्त नहीं है यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थायी व्यवस्था तैयार करना आवश्यक है उन्होंने नगर परिषद से मांग की है कि जल्द से जल्द क्षेत्र में यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जाए। इस मामले में नगर परिषद बरगवां के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) अमित सिंह ने बताया कि बसों और ऑटो के संचालन के कारण क्षेत्र में गंदगी फैलती है नगर परिषद द्वारा सफाई व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए यह शुल्क लिया जा रहा है। सीएमओ ने कहा कि वर्तमान में जहां से वाहनों का संचालन हो रहा है, वहां सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी नगर परिषद की है उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में बस स्टैंड और ऑटो स्टैंड को बेहतर तरीके से विकसित करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को सुविधाएं मिल सकें फिलहाल, बरगवां क्षेत्र में शुल्क वसूली और सुविधाओं को लेकर बहस जारी है स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों की मांग है कि नगर परिषद केवल शुल्क लेने तक सीमित न रहे बल्कि यात्रियों की सुविधा के लिए जरूरी व्यवस्थाएं भी जल्द उपलब्ध कराए।

डीडीयू-जीकेवाई योजना से बदली पूजा सिंह की तकदीर, सीधी के गांव से तमिलनाडु तक आत्मनिर्भरता का प्रेरक सफर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश के सीधी जिले की ग्राम पंचायत तेंगवा निवासी पूजा सिंह ने यह साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प, सही मार्गदर्शन और कौशल प्रशिक्षण के बल पर जीवन की दिशा बदली जा सकती है दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद आज पूजा सिंह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन चुकी उनका सफर न केवल ग्रामीण युवाओं, बल्कि विशेष रूप से युवतियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। पूजा सिंह का परिवार लंबे समय तक आर्थिक तंगी से जूझता रहा सीमित आय और रोजगार के स्थायी साधनों के अभाव में परिवार का जीवन-यापन कठिन था ऐसे समय में उनकी माता स्थानीय दुर्गा स्व-सहायता समूह से जुड़ीं समूह की नियमित बैठकों के दौरान उन्हें मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना की जानकारी मिली इसी जानकारी ने पूजा के जीवन में बदलाव की नई राह खोल दी। पूजा सिंह ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए योजना के तहत प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन एजेंसी (पीआईए) एसीएमई के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया प्रशिक्षण के दौरान उन्हें तकनीकी दक्षता के साथ-साथ कार्यस्थल पर आवश्यक व्यवहारिक, संचार और व्यावसायिक कौशल भी सिखाए गए इससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई और निजी क्षेत्र में रोजगार पाने की उनकी संभावनाएं मजबूत हुईं। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद पूजा सिंह का चयन तमिलनाडु स्थित एक प्रतिष्ठित मोबाइल निर्माण कंपनी में हुआ।

ताइक्वांडो में आकर्षित प्रताप सिंह ने संभाग स्तर पर हासिल किया प्रथम स्थान, सतना का बढ़ाया गौरव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के होनहार छात्र आकर्षित प्रताप सिंह ने संभागीय स्तर की ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है उनकी इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है जानकारी के अनुसार नया इंडिया जयपुरिया स्कूल के विद्यार्थी आकर्षित प्रताप सिंह (पिता- राजन सिंह परिहार, निवासी टिकुलिया टोला) ने हाल ही में आयोजित संभागीय स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, आत्मविश्वास और मेहनत के बल पर उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आकर्षित की इस सफलता ने न केवल उनके विद्यालय का गौरव बढ़ाया है बल्कि पूरे सतना जिले को भी गौरवान्वित किया है खेल के प्रति उनकी लगन और नियमित अभ्यास ने उन्हें यह उपलब्धि दिलाई है उनकी इस सफलता को क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है आकर्षित के पिता राजन सिंह परिहार कृषक एवं समाजसेवी हैं। उन्होंने अपने बेटे की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

विश्व पेपर बैग दिवस पर एसजीएस पीजी कॉलेज सीधी में जागरूकता सेमिनार, प्लास्टिक मुक्त भारत का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त भारत के उद्देश्य को जन-जन तक पहुंचाने के लिए शासकीय एसजीएस पीजी कॉलेज, सीधी में विश्व पेपर बैग दिवस के अवसर पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया तथा दैनिक जीवन में पेपर बैग के उपयोग को अपनाने का संदेश दिया गया कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। सेमिनार की शुरुआत पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर चर्चा के साथ इस दौरान एनसीसी कैडेट्स शिवम् द्विवेदी, रामसागर द्विवेदी एवं आदर्श तिवारी ने अपने विचार रखते हुए प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग से पर्यावरण पर पड़ रहे दुष्प्रभावों को विस्तार से बताया उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण आज वैश्विक चुनौती बन चुका है और इसके दुष्परिणाम जल, भूमि, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं कैडेट्स ने लोगों से दैनिक जीवन में प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कागज के थैलों का उपयोग करने की अपील की। महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट उमाकांत साहू ने अपने संबोधन में कहा कि प्लास्टिक जल, जमीन और मानव जीवन तीनों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

पहली बारिश में चेकडैम ढहने पर कलेक्टर सख्त, सचिव निलंबित, सरपंच और उपयंत्री को नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के देवसर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कठदहा में पहली बारिश में चेकडैम ढहने के मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उठे सवालों के बाद कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश पर कराई गई जांच में गंभीर तकनीकी खामियां और वित्तीय अनियमितताएं सामने आईं जांच रिपोर्ट के आधार पर पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया है जबकि सरपंच और उपयंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। मामला कठदहा गांव के घघिया नाला पर बनाए गए चेकडैम से जुड़ा है जानकारी के अनुसार इस चेकडैम का निर्माण जून माह के अंतिम सप्ताह में पूरा हुआ था लेकिन निर्माण पूरा होने के कुछ ही दिनों बाद पहली बारिश में यह क्षतिग्रस्त होकर बह गया मामूली बारिश का दबाव भी चेकडैम नहीं झेल सका जिसके बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए थे। मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दिए थे जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता, तकनीकी मापदंडों और वित्तीय प्रक्रिया की जांच की जांच रिपोर्ट जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश गोमे को सौंपी गई रिपोर्ट में निर्माण कार्य में कई गंभीर कमियां सामने आने के बाद प्रशासन ने जिम्मेदार अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। जांच में पाया गया कि चेकडैम की नींव निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार तैयार नहीं की गई थी अधिकारियों के अनुसार यह ग्रेविटी डैम की श्रेणी का निर्माण था, लेकिन इसमें आवश्यकतानुसार लोहे का उपयोग नहीं किया गया इसके अलावा डाउन स्ट्रीम स्लोप भी निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं पाया गया। तकनीकी विशेषज्ञों ने निर्माण में लापरवाही को चेकडैम के क्षतिग्रस्त होने का प्रमुख कारण माना है जांच रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि निर्माण कार्य की निगरानी और गुणवत्ता परीक्षण में जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा गंभीर उदासीनता बरती गई।

सचिव निलंबित, सरपंच और उपयंत्री को नोटिस: जिला पंचायत सीईओ जगदीश गोमे ने ग्राम पंचायत सचिव सचिन बृजलाल साकेत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है वहीं ग्राम पंचायत सरपंच दिलशरण सिंह को मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा-40 के तहत नोटिस जारी किया गया है उनसे 13 जुलाई तक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा तकनीकी पर्यवेक्षण में लापरवाही के आरोप में उपयंत्री सतीष पटेल को भी नोटिस जारी किया गया है उनसे संविदा सेवा से पृथक करने संबंधी कार्रवाई के लिए जवाब मांगा गया है।

स्व-सहायता समूहों और सदस्यों का डिजिटल सत्यापन अनिवार्य, समय-सीमा में प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) के अंतर्गत गठित सभी स्व-सहायता समूहों एवं उनके सदस्यों का डिजिटल सत्यापन अब अनिवार्य कर दिया गया है राज्य कार्यालय के निर्देशानुसार यह प्रक्रिया समूहों की वैधानिकता सुनिश्चित करने, सही हितग्राहियों की पहचान करने और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से की जा रही है जिला परियोजना प्रबंधक, मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, सीधी ने बताया कि जिले में संचालित सभी स्व-सहायता समूहों और उनके सदस्यों को डिजिटल सत्यापन की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी करनी होगी इसके लिए प्रत्येक समूह एवं सदस्य को लोकओएस एप के माध्यम से अपनी प्रोफाइल को अद्यतन करना अनिवार्य किया गया है साथ ही सभी सदस्यों को आधार फेस ई-केवाईसी की प्रक्रिया भी पूर्ण करनी होगी।

उन्होंने बताया कि डिजिटल सत्यापन के माध्यम से समूहों की वास्तविक स्थिति, सदस्यों की जानकारी और योजनाओं से जुड़े अभिलेखों को ऑनलाइन प्रणाली में व्यवस्थित किया जाएगा इससे मिशन के अंतर्गत संचालित गतिविधियों में पारदर्शिता आएगी और योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंचाना अधिक आसान होगा। इसके अलावा स्व-सहायता समूहों की नियमित बैठकों से संबंधित जानकारी भी समय-समय पर सार्थक एप के माध्यम से अपलोड करना आवश्यक होगा बैठक विवरण, समूह की गतिविधियां और अन्य आवश्यक जानकारियों को डिजिटल माध्यम से दर्ज करने से समूहों की कार्यप्रणाली की बेहतर निगरानी की जा सकेगीजिला परियोजना प्रबंधक ने जिले के सभी स्व-सहायता समूहों एवं उनके सदस्यों से अपील की है कि वे बिना विलंब किए डिजिटल सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करें उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या या प्रक्रिया से संबंधित जानकारी के लिए संबंधित विकासखंड मिशन कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि डिजिटल सत्यापन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए विभागीय स्तर पर सहायता उपलब्ध कराई जा रही है इसके अतिरिक्त किसी भी जानकारी या तकनीकी सहायता के लिए कार्यालयीन दिवसों में कार्यालयीन समय के दौरान हेल्पलाइन नंबर 07822-356497 पर संपर्क किया जा सकता है।

दवा न बने दारू: ज़्यादा अल्कोहल वाली दवाओं का नियमन सराहनीय

संपादकीय

सार्वजनिक विमर्श में लंबे समय से मांग की जाती रही है कि ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली दवाओं का सख्ती से नियमन किया जाए। दरअसल, नशे की लत छुड़ाने के प्रयासों के दौरान इन दवाओं का दुरुपयोग किया जाता रहा है। साथ ही जिन राज्यों में नशाबंदी लागू है, वहां भी उनके गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली पीने वाली दवाइयों व सिरप की बिक्री पर सख्ती करने का फैसला, एक जरूरी सुधार है। निश्चय ही इस कदम से लंबे समय से इन दवाइयों के गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। दरअसल, 12 प्रतिशत से ज्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन-सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं। इसका मतलब ये है कि जिन्हें वास्तव में इन दवाइयों की जरूरत है, उन्हें ये दवाइयां डॉक्टर की देखरेख में सहज उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं दूसरी ओर इन दवाइयों का दुरुपयोग गलत कार्य के लिये करने वालों की इन तक पहुंच मुश्किल हो जाएगी। निश्चय ही यह वक्त की जरूरत थी क्योंकि किशोर और नशे की लत से जूझ रहे लोग अक्सर ऐसी दवाइयों को शराब के सस्ते विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करने लगते हैं। जनमानस में उपचार के लिये आम बोलचाल में प्रचलित शब्द 'दवा-दारू', वास्तव में ऐसे नशेड़ियों के लिये नशे का मौका उपलब्ध कराने का जरिया बन जाता था। इस पर अंकुश लगाना निश्चय ही स्वागत योग्य कदम है।

दरअसल, एम्स दिल्ली के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर ने नशीले पदार्थों की लत छुड़ाने के लिये इलाज करा रहे लोगों के बीच इन दवाइयों व कफ सिरप आदि के अनुचित इस्तेमाल का पर्याप्त रिकॉर्ड रखा है। इतना ही नहीं, जन स्वास्थ्य से जुड़े कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी इस बाबत चिंता जाहिर कर चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बाकायदा चेतावनी दी है कि जिन जगहों पर सामान्य शराब महंगी होती है या नशाबंदी लागू होने से आसानी से उपलब्ध नहीं होती है, वहां अधिक अल्कोहल वाली दवाइयों के दुरुपयोग की लगातार संभावना बनी रहती है। जो इस बात की ओर स्पष्ट संकेत करता है कि जैसे-जैसे नशीले पदार्थों के रूप में दवाइयों का दुरुपयोग बढ़ता है, वैसे-वैसे ही नियमों में बदलाव करना अपरिहार्य हो जाता है। बहरहाल, कागजों पर नियम बना देना तो मात्र एक शुरुआत भर है। सबसे जरूरी है कि इन नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। साथ ही निगरानी तंत्र को भी मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि नियमों को तोड़कर दवा के दुरुपयोग की कोशिश करने वालों की निगरानी के लिये ड्रग इंस्पेक्टरों की पर्याप्त संख्या हो। इसके अलावा फार्मेसियों को भी इस बाबत जवाबदेह बनाना जरूरी हो जाता है। जिसके लिये ऐसी दवाइयों की बिक्री के रिकॉर्ड को डिजिटल करना भी आवश्यक है ताकि नियामक तंत्र इनकी बिक्री की निगरानी कर सके। निस्संदेह, डॉक्टरों का भी नैतिक दायित्व है कि वे जरूरतमंद लोगों को ये दवाइयां सोच-समझकर ही लिखें। साथ ही इससे होने वाले खतरों के बारे में भी मरीजों को अवगत कराएं। इन बोतलों पर दवा का लेबल लगाने का अंतिम निष्कर्ष यह नहीं है कि वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

अपने दल से अलग क्यों जा रहे सांसद

सुरेश हिंदुस्तानी

राजनीति में अवसर की तलाश करना आज के राजनेताओं का प्रिय विषय बनता जा रहा है। सीधे शब्दों इसे यूँ भी कहा जा सकता है कि राजनीति अब सेवा का मार्ग न होकर अवसरवादिता के आवरण को ओढ़ चुकी है। विपक्षी दलों खास कर तृणमूल कांग्रेस और अब उद्धव ठाकरे की शिवसेना के सांसदों का अलग होना कहीं न कहीं यही संकेत करता है कि ये सांसद अपने पार्टी के सिद्धांतों से किसी भी प्रकार का कोई सरोकार नहीं रखते थे, लिहाजा उन्होंने अपना खुद का एक राजनीतिक पाला बना लिया। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यही माना जा रहा है कि अब विपक्ष की संभावनाएं धूमिल होती दिखाई दे रही हैं। विपक्ष की राजनीति का एक ही मुद्दा रह गया है, वह है आरोप की राजनीति। तुम आरोप लगाते रहो, हम काम करते जाएंगे। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कुछ इसी प्रकार का खेल चल रहा है। यह बात सच है कि केवल आरोप लगाने की राजनीति के माध्यम से सत्ता का सिंहासन प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हित और जनहित की ओर जाना ही होगा। आज की राजनीतिक स्थिति का विचार किया जाए तो यह कहना उचित ही होगा कि भाजपा का प्रचार सत्ता पक्ष की ओर से कम विपक्ष की ओर से ज्यादा किया जा रहा है। आज विपक्ष के नेताओं के बयान बिना भाजपा के अधूरे ही रहते हैं। राजनीति में कब क्या हो जाए, कोई भी व्यक्त नहीं कर सकता। इसके पीछे एक कारण यह भी हो सकता है कि आज का राजनेता किसी न किसी हेतु के लिए ही राजनीति कर रहा है, ऐसे राजनेता की न तो किसी दल से वैचारिक समानता होती है और न ही किसी राजनीतिक नेतृत्व के प्रति निष्ठा ही रहती है। ऐसे राजनेता अपने स्वार्थ को पूरा करने के अवसर की तलाश करते हैं। वर्तमान में विपक्षी राजनीतिक दलों के जो सांसद अपने दलों को छोड़ रहे हैं या छोड़ने का मन बना रहे हैं, वे अब शायद यह समझने लगे हैं कि उनका भविष्य अपने दल के साथ सुरक्षित नहीं है। इसका कारण यही है कि भारत की जनता को भारत के विकास की राजनीति पसंद आने लगी है। दूसरा बड़ा कारण यह भी हो सकता है कि भाजपा की ताकत लगातार बढ़ती जा रही है। विपक्ष के राजनीतिक दल पूरा जोर लगाने के बाद भी पराजित होते जा रहे हैं। भविष्य में इनको सफलता मिलेगी, इसकी फिलहाल कोई गुंजाईश भी नहीं है। वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस के कई विधायक और सांसद ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अलग राह पर जा चुके हैं। इससे ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत भी बेअसर हो गई है। और इसी कारण उनकी पार्टी आज एक डूबता हुआ जहाज की परिकल्पना को चरितार्थ करती हुई दिखाई दे रही है। कहा जाता कि जब किसी के ताकत होती है, तो उसके पास अनेक लोग खड़े हो जाते हैं, और उसके शक्तिहीन होने पर कभी खास बनने वाले लोग भी दूरी बना लेते हैं। विपक्ष की राजनीति के लिए सबसे ज्यादा चिंता करने वाली बात यह है कि विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए एक समय ताल ठोकने वाली ममता बनर्जी के पास अब पहले जैसा रुतबा नहीं होगा और न ही विपक्ष में उनकी बात को कोई तबज्जो मिलेगा। इतना ही नहीं एक समय कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मुखर होने वाली ममता के लिए अब कांग्रेस के नेतृत्व में राजनीति करने की मज़बूरी बन गई है, जो ममता बनर्जी को न तो पहले स्वीकार था और न ही वे अब स्वीकार करेंगी। जहाँ तक तृणमूल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की पार्टी के सांसदों के अपने दल से बागी होने की बात है तो यह कहना समीचीन ही होगा कि आज के राजनीतिक परिदृश्य में विपक्ष के भविष्य की संभावनाओं पर एक बहुत बड़ा विराम सा लगा हुआ दिखाई देता है। विपक्ष के राजनीतिक दल किसके नेतृत्व में एक होंगे, यह बड़ा सवाल है। जिसका उत्तर किसी के पास नहीं है। ऐसे में क्षेत्रीय दलों के वे नेता जो हाँ में हाँ मिलाते हुए राजनीति करते थे वे अब प्रासंगिक होने लगे हैं। इनका प्रासंगिक होना ही विपक्षी एकता के लिए बहुत बड़ा खतरा है। क्योंकि शक्ति केंद्र एक स्थान पर होता है तो उसकी बात का महत्त्व होता है, लेकिन यही शक्ति जब विभाजित हो जाती है, तब वह शक्तिहीन की श्रेणी में ही आती है।

जंगलराज से विकासराज तक उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर और नई आर्थिक शक्ति बनने का सफर

कांतिलाल मांडोत

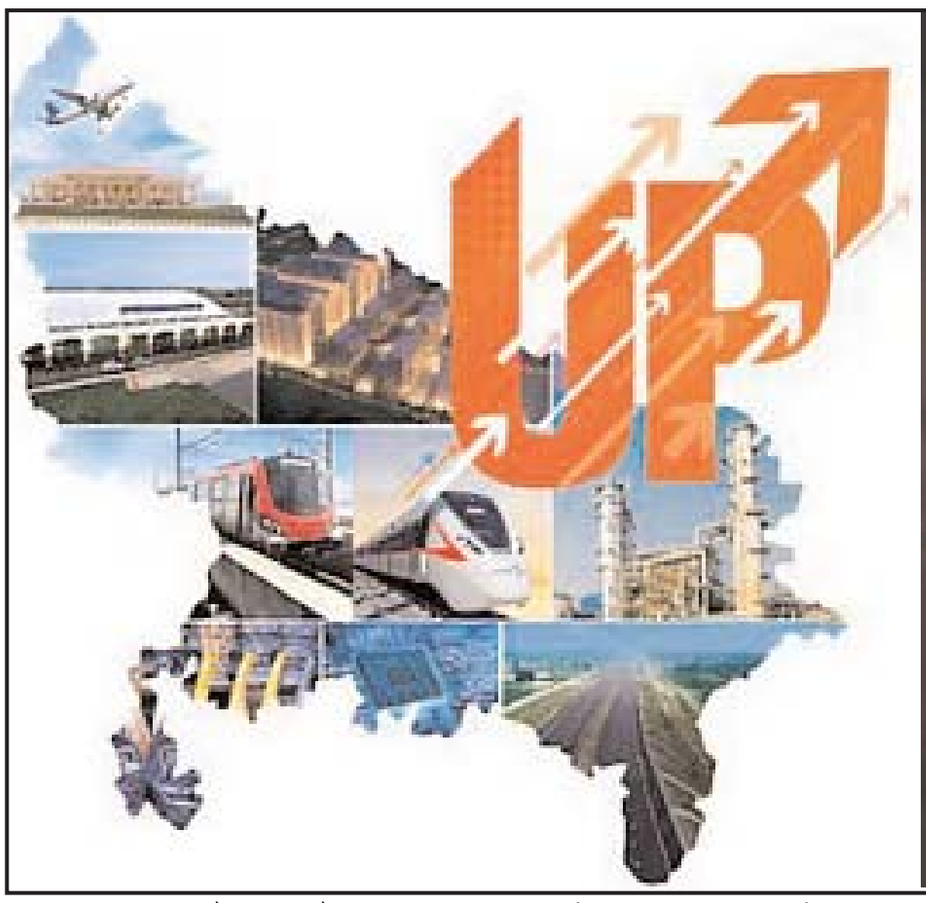

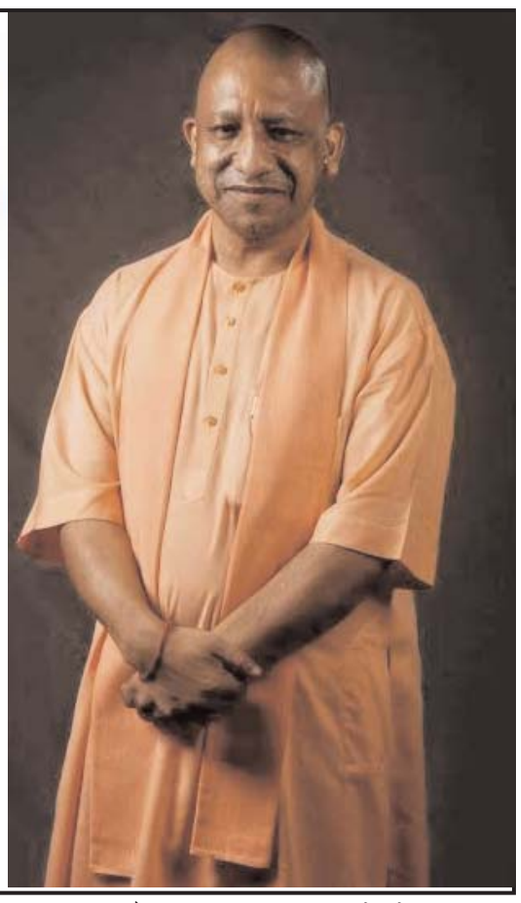

उत्तर प्रदेश लंबे समय तक देश के सबसे अधिक जनसंख्या वाले राज्य के रूप में जाना जाता रहा, लेकिन अब उसकी पहचान तेजी से बदल रही है। आज उत्तर प्रदेश केवल आबादी के आधार पर नहीं, बल्कि विकास, निवेश, उद्योग, आधारभूत संरचना और आर्थिक प्रगति के कारण देश की अग्रणी शक्ति के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने पिछले कुछ वर्षों में जिस गति से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया है, उसने प्रदेश की छवि को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्रदान की है। कभी कानून-व्यवस्था और पिछड़ेपन की चर्चा के लिए सुर्खियों में रहने वाला उत्तर प्रदेश आज एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, औद्योगिक कॉरिडोर और निवेश परियोजनाओं के लिए जाना जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव में 570 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के दौरान प्रदेश के विकास मॉडल को रेखांकित करते हुए कहा कि अब उत्तर प्रदेश में योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि धरातल पर उतरती हैं और जनता तक उनका लाभ पहुंचता है। उन्होंने कहा कि उन्नाव को स्टेट कैपिटल रीजन का हिस्सा बनाया गया है और लखनऊ से उन्नाव होते हुए कानपुर तक रैपिड रेल चलाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। यह परियोजना न केवल परिवहन को गति देगी, बल्कि औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगी। प्रदेश में विकसित हो रहे एक्सप्रेसवे नेटवर्क को उत्तर प्रदेश की प्रगति का सबसे बड़ा प्रतीक माना जा रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाएं प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ने का कार्य कर रही हैं। गंगा एक्सप्रेसवे के पूरा होने के बाद पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच आवागमन पहले से कहीं अधिक आसान हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नाव के लोग अब लखनऊ को बाईपास करते हुए सीधे दिल्ली और प्रयागराज तक पहुंच सकेंगे। इससे समय की बचत होगी और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए डिफेंस कॉरिडोर जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। उन्नाव में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए लगभग 700 एकड़ भूमि तथा औद्योगिक क्लस्टर के लिए 200 एकड़ भूमि तैयार की गई है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार मिलने की संभावना बढ़ेगी। सरकार का मानना है कि उद्योगों के विस्तार से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय बदलाव देखा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार यह कहते रहे हुं कि निवेश और विकास के लिए सुरक्षित वातावरण आवश्यक है।

यही कारण है कि प्रदेश में अपराध और माफिया गतिविधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई। इसका परिणाम यह हुआ कि देश और विदेश के निवेशकों का विश्वास प्रदेश में बढ़ा है। निवेशकों की बढ़ती रुचि के कारण उत्तर प्रदेश में हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो भविष्य में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का आधार बनेंगे। प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास और किसानों के उत्थान को भी समान महत्व दे रही है। कानपुर में आयोजित प्राकृतिक कृषि प्रोत्साहन कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राकृतिक खेती को समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। सरकार का मानना है कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत कम होगी, भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को जीवामृत, बीजामृत तथा गो-आधारित प्राकृतिक खेती की जानकारी देकर उन्हें आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। किसानों के साथ-साथ गरीब और वंचित वर्गों के लिए भी अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, मुफ्त राशन वितरण और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं ने लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि अब योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव और सिफारिश के सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। इससे शासन के प्रति जनता का विश्वास मजबूत हुआ है। आधारभूत संरचना के विकास में भी उत्तर प्रदेश ने नई उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रदेश में नए एयरपोर्ट विकसित किए जा रहे हैं और कई हवाई अड्डों का विस्तार किया जा रहा है। अयोध्या, कुशीनगर और जेवर जैसे एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान कर रहे हैं। सड़क, रेल और हवाई परिवहन के क्षेत्र में हो रहे निवेश से प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की सड़कों की गुणवत्ता अब दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सड़कों की बराबरी कर रही है।

धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन भी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के बाद देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। काशी विश्वनाथ धाम, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों के विकास ने पर्यटन उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इससे स्थानीय व्यापार, होटल उद्योग और रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश का विकास मॉडल अब अन्य राज्यों के लिए भी चर्चा का विषय बन गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय महाधिवक्ता ने कहा कि पिछली सरकारों के समय जहां नई योजनाओं की गति सीमित थी, वहीं वर्तमान सरकार ने विकास कार्यों को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया है। उनके अनुसार उत्तर प्रदेश आज जिस तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है, उसने विपक्ष को भी राज्य की बदलती ताकत का एहसास करा दिया है। अरबों रुपये की लागत वाली परियोजनाएं प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जा रही हैं। वास्तव में उत्तर प्रदेश का यह परिवर्तन केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सड़कों, उद्योगों, निवेश, रोजगार, कृषि, पर्यटन और जनकल्याण योजनाओं के रूप में धरातल पर दिखाई देता है। राज्य सरकार का दावा है कि विकास की यह यात्रा आने वाले वर्षों में और अधिक गति पकड़ेगी। यदि वर्तमान योजनाएं निर्धारित समय पर पूरी होती हैं और निवेश परियोजनाएं सफलतापूर्वक जमीन पर उतरती हैं, तो उत्तर प्रदेश न केवल भारत की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा, बल्कि देश के विकास इंजन के रूप में भी अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा। यही कारण है कि आज उत्तर प्रदेश की चर्चा केवल राजनीति के संदर्भ में नहीं, बल्कि विकास, सुशासन और आर्थिक प्रगति के मॉडल के रूप में भी की जा रही है।

भारत और इण्डोनेशिया के अंतस छंदस एक

दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला देश इण्डोनेशिया है। वह भारत को लेकर पारिवारिक रिश्ते की घोषणा कर चुका है। इण्डोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भारत के साथ इण्डोनेशिया के संबंधों का खूबसूरत उल्लेख किया है। इण्डोनेशिया की यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति सुबियांतो ने आगे बढ़कर मोदी की प्रशंसा की। भारतीय संस्कृति हजारों वर्ष प्राचीन है। अपने जन्म स्थान भारत में इस संस्कृति और सभ्यता की जड़ें गहरी हैं। व्यवसायिक व अन्य कारणों से भारत छोड़कर विदेश में रहने वाले भारतीय सभ्यता और संस्कृति को लेकर स्वाभिमान अनुभव करते हैं। 28 करोड़ आबादी वाला इण्डोनेशिया भारतीय संस्कृति से भरा पूरा है।

हृदयनारायण दीक्षित

यहां लगभग 10000 उपासना स्थल व मंदिर हैं। श्रीराम इण्डोनेशिया की संस्कृति में छाए हुए हैं। पूरे देश के कोने-कोने में रामकथा होती रहती है। इण्डोनेशिया और भारत के रिश्ते बहुत पुराने हैं। इण्डोनेशिया के लोग अपने अंतःकरण में भारत को अनुभव करते हैं। इण्डोनेशिया की हवाई सेवा का नाम गरुड़ एयरवेज रहा है। भारत में जो उपजिलाधिकारी प्रशासक होते हैं, इण्डोनेशिया में उन्हें महिपाल कहते हैं। इण्डोनेशिया के लोग विजयादशमी, होली आदि भारतीय त्योहारों का आनंद लेते हैं। इण्डोनेशिया में रामलीला होती है और उसके अधिकांश पात्रों का मजहब इस्लाम होता है। इण्डोनेशिया के लोग मानते हैं कि वे धर्म से और मजहब से इस्लामी हैं लेकिन संस्कृति से भारतीय हैं। यही संस्कृति इण्डोनेशिया और भारत का एकात्मक स्वरूप गढ़ती है। प्रधानमंत्री के इस दौरे में स्वाभाविक ही दोनों पक्ष बढ़-चढ़कर एक-दूसरे की आवभगत कर सकते थे लेकिन यहां बात कुछ दूसरी ही थी। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने अपना डीएनए टेस्ट करवाया और पाया है कि उनका डीएनए भारतीय है। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत सुनते समय शरीर को थिरकता हुआ पाते हैं। बात सही भी है। अपनी जड़ों से जुड़ना सबको आनंदित करता है। इण्डोनेशिया की संस्कृति और भारत की संस्कृति की जड़ें एक हैं। इन जड़ों को सींचते रहना सबका दायित्व है। जैसे जड़ से सूखे पेड़ पर फूल नहीं खिलते। उन पर पक्षी गीत नहीं गाते। पाकिस्तान को ही लीजिए पाकिस्तान और भारतीय संस्कृति की जड़ें एक हैं। इस सभ्यता का विकास सिन्धु और सरस्वती नदियों की जड़ों से निकला है। पाकिस्तान अपनी मूल संस्कृति से पृथक है। जिन्ना और मुस्लिम लीग ने भारत को दो देश माना था। मजहब के आधार पर देश बनाने से राष्ट्रीय क्षति हुई है। पाकिस्तानी भूभाग में उदासी रहती है। नदियां उदास होकर बहती हैं। मजहबी कट्टरपंथ के कारण पाकिस्तान आतंकवाद की यूनिवर्सिटी बन चुका है। वे संस्कृति सत्य स्वीकार नहीं करते। यह संस्कृति हजारों वर्ष के साहचर्य से विकसित हुई है। पूर्वजों ने दीर्घकाल के अनुभवों के आधार पर इसे बड़े प्यार से गढ़ा है। दर्शन और विज्ञान ने इस सांस्कृतिक अभियान का नेतृत्व किया है। यहां हजारों वर्ष प्राचीन सांस्कृतिक निरंतरता है। वैदिक काल के पूर्व के समाज में संपूर्ण मनुष्यता के प्रति एक प्रेमपूर्ण प्रवाह है। ऋग्वेद में उसकी झलक मिलती है। फिर उत्तर वैदिक काल में भी वही सांस्कृतिक निरंतरता प्रकट होती है। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कहा है कि, 'हमारी सभ्यता और संस्कृति पर भारतीय सभ्यता का गहरा प्रभाव है।' उन्होंने बताया है कि, 'उनकी भाषा का लगभग पचास प्रतिशत हिस्सा संस्कृत से आया है। हमारे बहुत से नाम संस्कृत में हैं इसलिए हमारे बीच ऐसी स्वाभाविक निकटता है। 'संस्कृति का निर्माण दीर्घकाल में होता है। प्रकृति प्रतिपल नया गढ़ती है। मनुष्य प्रकृति के सत्य, शिव और सुंदर को अंगीकृत करते हैं। ऐसे ही मनुष्य संस्कृति गढ़ते हैं। भारतीय संस्कृति का यह प्रवाह और प्रभाव भौगोलिक नहीं था। यह आर्यांना में भी व्याप्त थी। आर्यांना ही आज ईरान है। यही गांधार में प्रवाहित थी। कौरव वंशी राजा धृतराष्ट्र की पत्नी गांधारी वहीं की थीं। यही गांधार आज का अफगानिस्तान है। यह खोतान, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार, श्याम (थाईलैंड), कम्बोडिया, चम्पा और मलेशिया तक व्याप्त रही। इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश है। कभी वह भी हिन्दू सांस्कृतिक क्षेत्र था। इंडोनेशिया आज भी अपनी पुरानी सांस्कृतिक परम्परा से अनुरक्त हैं। फिलीपाइन्स, तिब्बत, बेरूबाड़ी तीन बीघा क्षेत्र तक व्याप्त यही हिन्दू संस्कृति महर्षि और्व के क्षेत्र अरब में भी प्रवाहित थी। जापान, कोरिया, मंगोलिया, साइबेरिया, इंग्लैंड, आयरलैंड, इटली, ग्रीस, मिस्र और आस्ट्रेलिया जैसे राज्य-क्षेत्र भी इस संस्कृति के उपासक रहे। दक्षिण अफ्रीका, फिजी, मारीशस, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनीडाड आदि देशों में इसका प्रभाव क्षेत्र सुविदित है। बेशक किन्हीं खास भौगोलिक सीमाओं में ही संस्कृति का विकास होता है। देश, राष्ट्र या राज्य जैसी सीमाएँ संस्कृति बोधक नाम पाती हैं पर दुनिया के सभी क्षेत्रों/देशों/राज्यों की संस्कृति दर्शन, विचार-शैली, काव्य-साहित्य और विभिन्न कलाओं के रूप में ही प्रकट होती है। भारतीय संस्कृति का अध्ययन भी इसी सामग्री के आधार पर किया जाना चाहिए। ऋग्वेद दुनिया का प्राचीन साहित्य, काव्य, समाजशास्त्र और तत्कालीन समाज-संस्कृति का दर्पण है। समूचा वैदिक साहित्य लोकमंगल की कामना है। इसमें सामाजिक संगठन के साथ-साथ अकरणीय-करणीय के सूत्र भी हैं। यहाँ शरीरविज्ञान, नक्षत्र विज्ञान, जंतुविज्ञान, वनस्पतिशास्त्र, भौतिकी, रासायनिकों का विवेचन है। अणुविज्ञान के विश्लेषण की भी समझदारी है। उपनिषद सृष्टि रचना के आदितत्त्व की खोजबीन करते हैं और इन्हें पूरी मानवता के सत्यखोजी बताते हैं। पुराण लोकजीवन को संगठित करने और प्राचीन ज्ञान से फायदा उठाने के साथ-साथ लगातार सत्यखोजी बने रहने की प्रेरणा देते हैं। रामायण और महाभारत महाकाव्य हैं, इतिहास भी हैं। वे भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में स्वविवेक से जीवन यापन की प्रेरणा देते हैं।

प्रकृति प्रसाद है, विकृति विषाद है लेकिन संस्कृति महाप्रसाद है। संस्कृति का निर्माण अचानक नहीं होता। राष्ट्र के सभी अंगभूत घटक एक स्वर, एक लय, एक प्रीति, एक छंद और एक रस में स्पंदित होकर अपनी संस्कृति गढ़ते हैं। संस्कृति सभी राष्ट्रजनों के दर्शन, भाषा, धर्म, कला, संवेदना, आशा, निराशा, प्रतीति, अनुभूति, धीरज, साहस और संयम मर्यादा का अंतस होती है। भारत की संस्कृति हजारों वर्षों की तप-साधना के बाद बनी। सर जान मार्शल ने भी बताया, 'अनेक प्रमाणों में भारत में एक अत्यंत विकसित संस्कृति की उपस्थिति का पता चलता है। इसके पीछे अवश्य ही भारत की धरती पर लम्बा इतिहास होना चाहिए।'

रायपुर के PNB बैंक में लगी भीषण आग, धुएं के गुबार से मचा हड़कंप, दमकल की कड़ी मशक्कत के बाद काबू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रविवार को एक बैंक शाखा में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बुढ़ापारा स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में दोपहर के समय अचानक आग भड़क उठी देखते ही देखते बैंक परिसर से काले धुएं का गुबार उठने लगा, जिसे देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बैंक परिसर से अचानक धुआं निकलता दिखाई दिया कुछ ही समय में धुआं तेजी से फैलने लगा जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना संबंधित विभागों को दी। आग की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की गाड़ियां तत्काल मौके पर पहुंच गईं दमकल कर्मियों ने बिना देरी किए आग बुझाने का अभियान शुरू किया बैंक के अंदर धुआं अधिक होने के कारण राहत कार्य में काफी सावधानी बरतनी पड़ी फायर टीम ने पानी की बौछारों और अन्य संसाधनों की मदद से आग पर नियंत्रण पाने का प्रयास किया काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं मिली है। आग बुझाने के दौरान बैंक के महत्वपूर्ण दस्तावेज, रिकॉर्ड और अन्य जरूरी सामान को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया गया। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुलिस तथा दमकल टीम के सहयोग से आवश्यक सामग्री को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर बैंक परिसर के आसपास लोगों की आवाजाही को नियंत्रित कर दिया था ताकि बचाव कार्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो आसपास के क्षेत्र को कुछ समय के लिए सुरक्षित दूरी पर रखा गया जिससे दमकल कर्मियों को आग बुझाने में आसानी हो सके। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम घटनास्थल का निरीक्षण कर रही है और आग के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि आग किस वजह से लगी और इससे बैंक को कितना नुकसान हुआ है इसके अलावा बैंक के अंदर मौजूद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, फर्नीचर और अन्य सामान को हुए नुकसान का भी आकलन किया जा रहा है बैंक जैसी महत्वपूर्ण जगह पर आग लगने की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बैंक शाखाओं में आग से बचाव के लिए अग्निशमन उपकरण, फायर अलार्म और आपातकालीन व्यवस्था का होना जरूरी होता है अधिकारियों द्वारा यह भी देखा जा रहा है कि बैंक परिसर में सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर दमकल और पुलिस टीम के पहुंचने से बड़ा हादसा टल गया यदि आग अधिक समय तक फैलती रहती तो बैंक के महत्वपूर्ण रिकॉर्ड और आसपास के अन्य प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंच सकता था। विशेषज्ञों के अनुसार गर्मी के मौसम में बिजली उपकरणों पर अधिक दबाव पड़ने से शॉर्ट सर्किट की घटनाएं बढ़ सकती हैं ऐसे में कार्यालयों, बैंकों और अन्य संस्थानों में विद्युत उपकरणों की नियमित जांच और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखना आवश्यक है फिलहाल पंजाब नेशनल बैंक की बुढ़ापारा शाखा में लगी आग पर नियंत्रण पा लिया गया है पुलिस, अग्निशमन विभाग और बैंक प्रबंधन की टीमें नुकसान का आकलन करने और आग लगने के कारणों की जांच में जुटी हुई हैं अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

महिला से 65 हजार रुपये की झपटमारी का आरोपी गिरफ्तार, अनूपपुर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाई मनेंद्रगढ़ पुलिस

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले की सिटी कोतवाली पुलिस ने महिला से झपटमारी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है आरोपी को मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला जेल से न्यायालय द्वारा जारी प्रोडक्शन वारंट के आधार पर मनेंद्रगढ़ लाया गया न्यायालय में पेश किए जाने के बाद उसे 24 जुलाई 2026 तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार यह मामला 27 अक्टूबर 2025 की शाम का है एमसीबी जिला मुख्यालय स्थित गांधी चौक पर एक महिला अपनी बेटी के साथ सोने की चेन खरीदने के लिए आई थी इसी दौरान दो अज्ञात युवक मौके पर पहुंचे और महिला का पर्स झपटकर फरार हो गए पर्स में लगभग 65 हजार रुपये नकद रखे हुए थे घटना के बाद पीड़िता की शिकायत पर सिटी कोतवाली में झपटमारी का मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी प्रारंभिक जांच में पुलिस को घटनास्थल और आसपास से कुछ महत्वपूर्ण तकनीकी साक्ष्य मिले इसके साथ ही मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की तलाश तेज की गई जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी की पहचान 32 वर्षीय मांज्या कुमार नट के रूप में की जो छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के परलकोट थाना क्षेत्र अंतर्गत देवीनगर का निवासी है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से वारंट प्राप्त किया इसी दौरान जानकारी मिली कि मांज्या कुमार नट किसी अन्य आपराधिक मामले में मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला जेल में बंद है इसके बाद एमसीबी पुलिस ने न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट जारी करवाया और कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को अनूपपुर जेल से हिरासत में लेकर मनेंद्रगढ़ लाया 10 जुलाई 2026 को आरोपी को स्थानीय न्यायालय में पेश किया गया न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे 24 जुलाई तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने के आदेश दिए पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर झपटमारी की इस घटना में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश कर रही है साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी का अन्य जिलों में हुई इसी तरह की वारदातों से कोई संबंध तो नहीं है। एमसीबी पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि बाजार भीड़भाड़ वाले इलाकों और सार्वजनिक स्थानों पर अपने कीमती सामान की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें यदि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अपराध की जानकारी मिले तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें पुलिस का कहना है कि आम नागरिकों के सहयोग और तकनीकी जांच के माध्यम से अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी ।

शिवपुरी में टला बड़ा हादसा, छुट्टी के बाद भरभराकर गिरी प्राथमिक स्कूल की जर्जर छत, पहले ही बंद कर दिया गया था कक्ष

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के कोलारस अनुविभाग अंतर्गत बादलहारा गांव स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में शनिवार शाम एक बड़ा हादसा टल गया विद्यालय की छुट्टी होने के कुछ देर बाद स्कूल के जर्जर बरामदे की छत अचानक भरभराकर गिर गसौभाग्य से घटना उस समय हुई जब स्कूल परिसर पूरी तरह खाली हो चुका था यदि यह हादसा स्कूल समय के दौरान होता तो कई छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की जान खतरे में पड़ सकती थी। जानकारी के अनुसार शनिवार को नियमित रूप से विद्यालय की छुट्टी होने के बाद शाम करीब 5 बजे बरामदे की छत अचानक ढह गई तेज आवाज के साथ छत गिरने से आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है क्योंकि उस समय विद्यालय में कोई मौजूद नहीं था। विद्यालय के प्राचार्य कन्हैयालाल ने बताया कि जिस अतिरिक्त कक्ष और बरामदे की छत गिरी है वह लंबे समय से जर्जर अवस्था में था भवन की खराब स्थिति को देखते हुए स्कूल प्रबंधन ने पहले ही उसे उपयोग से बाहर कर दिया था सुरक्षा के मद्देनजर सभी कक्षाओं का संचालन मुख्य शाला भवन में किया जा रहा था, जिससे संभावित दुर्घटना को टालने में मदद मिली। प्राचार्य ने बताया कि जर्जर भवन की जानकारी शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पहले ही दी जा चुकी थी भवन की मरम्मत अथवा नए भवन के निर्माण के लिए विभाग को प्रस्ताव भी भेजा गया था लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। इसी बीच शनिवार को बरामदे की छत गिरने की घटना सामने आई। घटना के बाद क्षेत्र में सरकारी स्कूलों की भवन सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है ग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि जिले के सभी जर्जर स्कूल भवनों का तत्काल सर्वे कराया जाए और जहां भवन असुरक्षित हैं वहां मरम्मत या नए भवन निर्माण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। हालांकि समय रहते स्कूल प्रबंधन द्वारा जर्जर कक्ष को बंद करने का निर्णय छात्रों और शिक्षकों के लिए राहत साबित हुआ यह घटना स्पष्ट संकेत देती है कि शिक्षा विभाग को विद्यालयों की आधारभूत संरचना की नियमित जांच और समय पर मरम्मत सुनिश्चित करनी होगी ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

एमसीबी का बरदर बना प्रकृति संरक्षण का रोल मॉडल, 52 एकड़ में जल संवर्धन और फलोद्यान से बदलेगी ग्रामीण तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले के खड़गवां विकासखंड का ग्राम बरदर प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन और ग्रामीण विकास का प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभर रहा है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संतन देवी जांगड़े के निर्देशन में राज्य शासन के महत्वाकांक्षी 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत 52 एकड़ क्षेत्र में जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को जोड़ते हुए समग्र विकास कार्य किए जा रहे हैं। इस परियोजना के तहत 30 एकड़ क्षेत्र में वैज्ञानिक जल संरक्षण संरचनाएं विकसित की गई हैं जबकि शेष 22 एकड़ में दो हजार से अधिक फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर फलोद्यान तैयार किया जा रहा है इससे न केवल भूजल स्तर में सुधार होगा बल्कि ग्रामीणों, विशेषकर महिला स्व-सहायता समूहों को स्थायी रोजगार और आय का नया स्रोत भी मिलेगा जल संरक्षण के लिए गांव में 30म40 मॉडल के तहत 240 संरचनाओं का निर्माण किया गया है जिनसे हर वर्ष लगभग 40 लाख लीटर वर्षा जल का संचयन होगा इसके अलावा 1800 मीटर लंबी जल अवशोषण ट्रेंच एवं सीपीटी संरचनाएं लगभग 60 लाख लीटर तथा 5000 कंटूर ट्रेंच करीब 70 लाख लीटर वर्षा जल को भूमि में समाहित करने में सक्षम होंगी इन प्रयासों से मिट्टी का कटाव रुकेगा भूजल पुनर्भरण बढ़ेगा और सिंचाई व पेयजल की उपलब्धता मजबूत होगी गांव में जल संरक्षण को और प्रभावी बनाने के लिए लगभग पांच लाख रुपये की लागत से 40 बोल्डर चेक डेम, 1.80 लाख रुपये से दो गेबियन संरचनाएं तथा 19 लाख रुपये की लागत से एक पक्का चेक डेम बनाया गया है इससे लगभग 15 एकड़ कृषि भूमि और उद्यान विभाग की नर्सरी को वर्षभर सिंचाई सुविधा मिलेगी वहीं 16 लाख रुपये की लागत से निर्मित अर्दन चेक डेम से 10 एकड़ भूमि सिंचित होगी और पांच किसान परिवार सीधे लाभान्वित होंगे। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी बरदर नई पहचान बना रहा है पिछले वर्ष लगाए गए 500 पौधों के सफल संरक्षण के बाद इस वर्ष 22 एकड़ में दो हजार से अधिक फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया जा रहा है साथ ही नर्सरी विकास का कार्य भी जारी है फलोद्यान से महिलाओं को पौध उत्पादन, रखरखाव, प्रसंस्करण और विपणन जैसे कार्यों में रोजगार मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

शिवपुरी में APK फाइल डाउनलोड करते ही 2.94 लाख की साइबर ठगी, डॉक्टर का नंबर खोजने के दौरान ऑटोमोबाइल कारोबारी बने शिकार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में साइबर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है जहां जिले के प्रमुख ऑटोमोबाइल कारोबारी कपिल गुप्ता के परिवार से 2 लाख 94 हजार 202 रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली गई साइबर अपराधियों ने इलाज संबंधी सलाह लेने के बहाने कारोबारी की पत्नी को एक संदिग्ध APK फाइल डाउनलोड करने के लिए भेजी। फाइल डाउनलोड करते ही मोबाइल फोन हैक हो गया और कुछ ही देर में बैंक खातों से लाखों रुपये निकाल लिए गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार घटना 27 जून 2026 की रात करीब 9 बजे की है। कपिल गुप्ता की पत्नी शिल्पी गुप्ता किसी चिकित्सकीय परामर्श के लिए गूगल पर एक डॉक्टर का मोबाइल नंबर खोज रही थीं सर्च के दौरान मिले नंबर पर उन्होंने संपर्क किया बातचीत के दौरान सामने वाले व्यक्ति ने खुद को डॉक्टर या डॉक्टर के सहयोगी के रूप में प्रस्तुत किया और कहा कि परामर्श प्रक्रिया पूरी करने के लिए मोबाइल पर भेजी गई एक APK फाइल डाउनलोड करनी होगी। शिल्पी गुप्ता ने बिना संदेह किए मोबाइल पर आई APK फाइल डाउनलोड कर ली फाइल इंस्टॉल होते ही साइबर ठगों ने उनके मोबाइल फोन का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया इसके बाद आरोपियों ने मोबाइल में मौजूद बैंकिंग संबंधी जानकारी का इस्तेमाल करते हुए आईसीआईसीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा के खातों तक पहुंच बनाई और कई ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 2 लाख 94 हजार 202 रुपये निकाल लिए। खाते से रकम कटने के मैसेज मिलने पर परिवार को ठगी का पता चला इसके बाद कपिल गुप्ता ने तत्काल शिवपुरी के कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है अधिकारियों का कहना है कि ट्रांजेक्शन की जानकारी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कपिल गुप्ता वही कारोबारी हैं जो नवंबर 2025 में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा के आयोजन के बाद जिलेभर में चर्चा का विषय बने थे अब साइबर ठगी की इस घटना ने एक बार फिर ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को उजागर कर दिया है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि APK फाइलें एंड्रॉयड ऐप्स की इंस्टॉलेशन फाइल होती हैं यदि इन्हें किसी अज्ञात व्यक्ति या अविश्वसनीय स्रोत से डाउनलोड किया जाता है, तो इनमें मैलवेयर या स्पाइवेयर हो सकता है जो मोबाइल का नियंत्रण हैकर्स को दे सकता है इसके जरिए बैंकिंग ऐप, पासवर्ड, ओटीपी और अन्य निजी जानकारी तक पहुंच बनाई जा सकती है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई APK फाइल या लिंक को डाउनलोड न करें।

शिवपुरी में कट्टे लहराते किशोर का वीडियो वायरल, गैंगस्टर गाने पर बनाई रील, पुलिस ने शुरू की जांच

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के लुकवासा क्षेत्र में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक किशोरनुमा युवक दोनों हाथों में देशी कट्टे जैसे हथियार लहराते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में बैकग्राउंड में गैंगस्टर थीम का गाना बज रहा है और युवक हथियारों के साथ रील बनाता नजर आ रहा है वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आ गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है जानकारी के अनुसार वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा युवक देखने में नाबालिग प्रतीत हो रहा है वह दोनों हाथों में कथित रूप से देशी कट्टे लेकर अलग-अलग अंदाज में प्रदर्शन कर रहा है वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्टेटस और रील्स के माध्यम से तेजी से साझा किया जा रहा है जिसके बाद स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन और गैंगस्टर संस्कृति को बढ़ावा देने वाली रील्स युवाओं को गलत दिशा में प्रेरित कर सकती हैं लोगों का मानना है कि इस तरह की सामग्री समाज में भय का माहौल पैदा करने के साथ-साथ कानून-व्यवस्था के प्रति भी नकारात्मक संदेश देती है अभिभावकों ने भी ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि युवाओं में हथियारों और अपराध का आकर्षण न बढ़े। वीडियो वायरल होने के बाद शिवपुरी पुलिस ने तत्काल संज्ञान लिया एसडीओपी संजय मिश्रा ने बताया कि लुकवासा चौकी पुलिस को पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं पुलिस सबसे पहले वीडियो की सत्यता की पुष्टि कर रही है साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वीडियो कब और कहां बनाया गया तथा इसमें दिखाई दे रहे हथियार असली हैं या नकली पुलिस वीडियो में नजर आ रहे युवक की पहचान और उसकी वास्तविक उम्र का भी सत्यापन कर रही है यदि जांच में यह सामने आता है कि युवक नाबालिग है और उसके पास अवैध हथियार थे या उसने कानून का उल्लंघन किया है तो संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। यदि हथियार असली पाए जाते हैं तो उनके स्रोत की भी जांच की जाएगी और अवैध हथियार उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले किसी भी वीडियो को बिना जांच के सही मानना उचित नहीं है इसलिए तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

20.62 लाख की सरसों गबन मामले में पांचवां आरोपी गिरफ्तार, पोहरी पुलिस ने धौलपुर से दबोचा 26 लाख का माल बरामद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पोहरी थाना क्षेत्र में 20.62 लाख रुपये कीमत की 250 क्विंटल सरसों के गबन मामले में पुलिस ने एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है यह इस प्रकरण में पांचवीं गिरफ्तारी है पोहरी पुलिस ने आरोपी को राजस्थान के धौलपुर से पकड़कर न्यायालय में पेश कियाजहां से उसे जेल भेज दिया गया है पुलिस मामले में शामिल अन्य आरोपियों और पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है जानकारी के अनुसार यह मामला 5 मई 2026 का है। ग्राम तिघरा खोड़ निवासी दिनेश धाकड़ ने पोहरी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 250 क्विंटल सरसों से भरे ट्रक का दुरुपयोग कर लाखों रुपये की सरसों का गबन कर लिया गया है शिकायत में बताया गया था कि ट्रक में भरी सरसों की कीमत करीब 20 लाख 62 हजार रुपये थी मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने मुखबिर तंत्र और साइबर सेल की मदद से मामले से जुड़े आरोपियों की पहचान शुरू की पुलिस ने सबसे पहले छोटू जाटव, ट्रक चालक राजू शर्मा और जितेंद्र बाथम को गिरफ्तार किया पूछताछ में आरोपियों से महत्वपूर्ण जानकारी मिली जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की आगे की जांच की। पूछताछ में सामने आया कि सरसों से भरे ट्रक को पोहरी अनाज मंडी से मुरैना होते हुए राजस्थान के धौलपुर ले जाया गया था वहां आरोपियों ने कथित रूप से सरसों को बेचने और छिपाने की योजना बनाई जांच में यह भी पता चला कि धौलपुर के व्यापारी अनिल मित्तल की कथित भूमिका सामने आई जिसके बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार किया उसके कब्जे से करीब 120 क्विंटल सरसों बरामद की गई। पुलिस के अनुसार गबन की गई सरसों का कुछ हिस्सा बिचौलियों के माध्यम से धौलपुर की एक फर्म को बेच दिया गया था मामले में अब तक पुलिस करीब 26 लाख रुपये का मशरूका बरामद कर चुकी है इसमें लगभग 11 लाख रुपये मूल्य की 120 क्विंटल सरसों और करीब 15 लाख रुपये कीमत का वह ट्रक शामिल है जिसका इस्तेमाल सरसों के परिवहन और गबन की वारदात में किया गया था। पोहरी थाना प्रभारी रवि चौहान ने बताया कि विवेचना के दौरान एक अन्य आरोपी लगातार फरार चल रहा था पुलिस को उसकी लोकेशन राजस्थान के धौलपुर में मिली इसके बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी होली पुत्र जनवेद गुर्जर (36 वर्ष), निवासी धौलपुर राजस्थान, को 11 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को पोहरी लाया गया और न्यायालय में पेश किया गया न्यायालय के आदेश के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

शिवपुरी में जमीन विवाद को लेकर फायरिंग-पथराव, दो यादव परिवार फिर आमने-सामने; क्रॉस FIR दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के दिनारा थाना क्षेत्र अंतर्गत खिरिया जागीर गांव में जमीन विवाद को लेकर दो यादव परिवारों के बीच एक बार फिर हिंसक झड़प हो गई 11 जुलाई को हुई इस घटना में एक पक्ष पर फायरिंग करने और दूसरे पक्ष पर पथराव करने के आरोप लगे हैं घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार खिरिया जागीर गांव में दोनों यादव परिवारों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है इससे पहले 9 जुलाई को भी दोनों पक्षों में लाठी-डंडों से मारपीट हुई थी उस मामले में भी दिनारा थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए थे 11 जुलाई को विवाद ने एक बार फिर गंभीर रूप ले लिया। आरोप है कि अर्जुन यादव पक्ष की ओर से कई राउंड फायरिंग की गई वहीं दूसरे पक्ष के धर्मेंद्र यादव पक्ष पर जवाबी कार्रवाई में पथराव करने का आरोप लगाया गया है घटना के दौरान गांव में कुछ समय के लिए तनाव और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है हालांकि वायरल वीडियो की वास्तविकता और उसमें दिखाई दे रही गतिविधियों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

सड़क के बीच गड्ढे में बैठ रहवासियों का प्रदर्शन रतलाम में दो दिन का दिया अल्टीमेटम सुधार नहीं हुआ तो करेंगे चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम शहर के दिलीप नगर में सड़कों की हालात जर्जर व गड्ढा में तब्दील होने के बावजूद मरम्मत नहीं करने पर क्षेत्रवासियों का गुस्सा शनिवार दोपहर फूट पड़ा। नगर निगम के खिलाफ रहवासी सड़कों के बीच गड्ढे में जाकर बैठ प्रदर्शन किया। नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। शहर के वार्ड क्रमांक 28 स्थित अर्जुन नगर के रहवासियों का कहना था गड्ढा के कारण आए दिन क्षेत्र में दुर्घटनाएं हो रही है। प्रशासन व संबंधित विभाग के जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। सड़कों की दुर्दशा के कारण राहगीरों, स्कूली बच्चों और मरीजों को निकलने में भारी असुविधा हो रही है।

क्षेत्र में कर रखा है अतिक्रमण: क्षेत्र में प्लास्टिक, कबाड़ व दोना पत्तल बनाने की फैक्ट्रियों द्वारा सड़कों पर अतिक्रमण करने, क्षेत्र में समय पर सफाई नहीं होने, पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने का विरोध जताया। मौके पर पार्षद प्रतिनिधि रमेश पांचाल भी पहुंचे। लेकिन उनकी बात किसी ने नहीं सुनी। बाद में सालाखेड़ी पुलिस चौकी से पुलिस जवान पहुंचे। संबंधित अधिकारी भी आए। रहहवासियों ने चेतावनी दी है कि प्रशासन 2 दिन के अंदर सड़कों की तत्काल मरम्मत और सुधार कार्य शुरू करे। दो दिन के अंदर सड़कों को दुरुस्त करने का काम धरातल पर शुरू नहीं किया तो फिर उग्र आंदोलन कर चक्का जाम किया जाएगा। इसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। विक्की प्रजापत, यूसुफ मंसूरी, तय्यब चाचा, राजू भाई, अकरम भाई, संतोष भाई, रफीक, मुबारिक थावर, सोहेब, चतुर्भुज, पवन, बाबू खान, ताहिर आदि मौजूद रहे।

1500 रुपए के विवाद में युवक को अर्धनग्न कर पीटा उधारी मांगने पर हुआ विवाद, डंडों से बेरहमी से मारपीट; आरोपियों का निकाला जुलूस

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के एसपीएम पुलिया क्षेत्र में 1500 रुपए के विवाद में एक युवक को अर्धनग्न कर डंडों से बेरहमी से पीटने के मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को आरोपियों को कोतवाली थाने लाने के बाद वारदात में इस्तेमाल डंडा बरामद कराने के लिए ग्वालटोली क्षेत्र ले जाया गया। इसके बाद दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। घायल युवक की पहचान शुभम खंडारे (25) निवासी एसपीएम पुलिया, ग्वालटोली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शुभम ने करीब एक साल पहले आरोपी रोहित बाबरिया और विजय रैकवार, निवासी ग्वालटोली, से 1500 रुपए उधार लिए थे। वह लंबे समय से भोपाल में रह रहा था और घटना से दो दिन पहले ही नर्मदापुरम लौटा था।

अर्धनग्न कर डंडों से बेरहमी से पीटा: 8 जुलाई की दोपहर करीब 3:30 बजे आरोपियों ने शुभम से उधार के रुपए वापस मांगे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया, जो मारपीट में बदल गया। आरोप है कि दोनों युवकों ने शुभम को अर्धनग्न कर डंडों से बेरहमी से पीटा और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद शुभम लहूलुहान हालत में सड़क पर पड़ा मिला। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और 108 एंबुलेंस को दी। इसके बाद घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोतवाली थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया था।

सागर में महिला से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार झशादी का झांसा देकर किया गलत काम, कोर्ट में पेश कर जेल भेजा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की विनायका पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में शनिवार को फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाने लाकर आरोपी से पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया है। पुलिस के अनुसार, 4 जुलाई को पीड़िता ने थाने आकर शिकायत की। शिकायत में बताया कि आरोपी से पहले से जान-पहचान थी। उसने पीड़िता से शादी करने की बात कही। आरोपी के झांसे में आकर पीड़िता उससे बात करने लगी। इसी बीच आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। शादी करने का बोलने पर वह आनाकानी करने लगा। धमकाने लगा। शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर लगाई गई। टीम ने उसके घर और आसपास के क्षेत्र में दबिश दी। लेकिन आरोपी मिला नहीं। जिसके बाद पुलिस ने साइबर सेल की मदद से लोकेशन ट्रेस की। मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। मुखबिर से शनिवार को आरोपी की लोकेशन पाटन बस प्रतीक्षालय के पास मिली। लोकेशन मिलते ही पुलिस टीम पाटन पहुंची और दबिश देकर आरोपी को धरदबोचा। थाने लाकर आरोपी से पूछताछ की गई। विनायका थाना प्रभारी भूपेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि दुष्कर्म के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

मंदसौर में तीन दिन से नहीं हुई बारिश उमस-धूप से लोग बेहाल; 17 जुलाई से फिर मानसून सक्रिय होने के संकेत

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में पिछले तीन दिनों से बारिश पूरी तरह थम गई है। आखिरी बार जिले में बीते बुधवार शाम को तेज बारिश हुई थी। इसके बाद गुरुवार रात जिला मुख्यालय सहित कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन शुक्रवार, शनिवार और रविवार तक जिले में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं हुई। ऐसे में पूरा जिला एक बार फिर अच्छी बारिश का इंतजार कर रहा है। बारिश नहीं होने से दिनभर तेज धूप और उमस लोगों को परेशान कर रही है। सुबह से लेकर देर शाम तलक गर्मी का असर बना रहता है। बीच-बीच में बादल छाते हैं, लेकिन बिना बरसे ही आगे बढ़ जाते हैं। इससे लोगों को न तो गर्मी से राहत मिल रही है और न ही किसानों की चिंता कम हो रही है। जिला मुख्यालय के अलावा गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, अफजलपुर, दलौदा, डिगांव, मल्हारगढ़, पिपलिया मंडी, नारायणगढ़,

सुंठेद, बरखेड़ा सहित आसपास के अधिकांश क्षेत्रों से भी रविवार दोपहर तक बारिश की कोई खबर सामने नहीं आई। अगले चार दिन ऐसा रहेगा मौस मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल जिले में किसी प्रकार की भारी बारिश की संभावना नहीं है और न ही कोई चेतावनी जारी की गई है।

13 जुलाईः बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 33.1 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 25.4 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान।

14 जुलाईः सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। अधिकतम 32.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25.4 डिग्री सेल्सियस।

15 जुलाईः आसमान में बादल बने रहेंगे। अधिकतम 32.4 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 25.8 डिग्री सेल्सियस।

16 जुलाईः बादलों के बीच कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज-चमक की संभावना है। अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25.6 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 17 जुलाई के आसपास फिर सक्रिय हो सकता है मानसून मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन-चार दिनों तक बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। कहीं-कहीं हल्की बारिश या गरज-चमक हो सकती है, लेकिन व्यापक या भारी बारिश के संकेत फिलहाल नहीं हैं। हालांकि 17 जुलाई के आसपास मानसूनी गतिविधियों में दोबारा तेजी आने की संभावना जताई गई है।

अब तक 7.37 इंच बारिश दर्ज: जिले में इस मानसून सीजन में अब तक करीब 7.37 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग एक इंच कम है। पिछले सप्ताह हुई अच्छी बारिश के बाद फिलहाल मौसम शांत है। अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने से उमस का असर भी लगातार महसूस किया जा रहा है। फिलहाल जिलेवासियों को बारिश का इंतजार है। तेज धूप, गर्मी और उमस से जनजीवन प्रभावित है, जबकि आसमान में बादलों की आवाजाही के बावजूद अच्छी बारिश नहीं होने से लोगों की उम्मीदें अब आने वाले दिनों पर टिकी हुई हैं।

6 भाइयों की सहमति के बिना खुला खाता सीहोर में बैंक ने जारी किया 1.21 लाख का लोन ग्रामीण बैंक पर धोखाधड़ी का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के ढाबला माता गांव में मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक प्रबंधन पर धोखाधड़ी और नियमों की अनदेखी के आरोप लगे हैं। एक किसान परिवार का कहना है कि बैंक ने उनकी लिखित चेतावनी के बावजूद छह भाइयों में से केवल दो की सहमति से नया खाता खोलकर उस पर ऋण जारी कर दिया। परिवार के सदस्य अनवर खां ने बताया कि उनके पिता अशरफ खां के नाम पर बैंक में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का ऋण खाता था। जब सभी भाई ऋण चुकाकर खाता बंद कराने बैंक पहुंचे, तब उन्हें नए खाते और नए ऋण की जानकारी मिली। अनवर खां के अनुसार, पुराने केसीसी खाते में 3 लाख 22 हजार रुपये का ऋण था। इसके अलावा एक नया खाता खोलकर 1 लाख 21 हजार रुपये का नया ऋण भी जारी कर दिया गया। परिवार का कहना है कि छह भाइयों में से किसी को इसकी जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया कि करीब छह महीने पहले बैंक को लिखित आवेदन दिया गया था। इसमें स्पष्ट कहा गया था कि उनके पिता के खाते में किसी भी तरह का लेन-देन या बदलाव सभी छह भाइयों की मौजूदगी और सहमति से ही किया जाए। किसी एक या दो भाइयों की सहमति पर कोई कार्रवाई नहीं की जाए। आरोप है कि इसके बावजूद बैंक के कुछ कर्मचारी ढाबला माता स्थित उनके घर पहुंचे। वहां अन्य भाइयों की गैरमौजूदगी में एक भाई से कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करा लिए।

रायसेन में अंतरराज्यीय पारदी गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार एमपी, राजस्थान और दिल्ली में हत्या-डकैती समेत कई मामले दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के बरेली कस्बे और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हाल ही में हुई चोरी नकबजनी की वारदातों का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस संबंध में अंतरराज्यीय पारदी गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश, राजस्थान और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में हत्या, डकैती, चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं। थाना प्रभारी कपिल गुप्ता के नेतृत्व में गठित एक विशेष टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस फरार गैंग सदस्यों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, 5 जुलाई की रात दाम मिल मोहल्ला निवासी राजेंद्र वर्मा के घर का ताला तोड़कर अज्ञात

बदमाशों ने सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए थे। इस घटना के बाद बरेली थाने में नकबजनी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। गुना में दबिश देकर पुलिस ने पकड़ा जांच के दौरान, मुखबिर से सूचना मिली कि वारदात को गुना जिले के धरनावदा थाना क्षेत्र के पारदी गैंग ने अंजाम दिया है। इसके बाद पुलिस की विशेष टीम को गुना भेजा गया। स्थानीय पुलिस की मदद से लगातार दबिश देकर खेजड़ा चक निवासी मुरार पिता कालू पारदी और रॉकी पिता भंवरलाल पारदी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वारदात में गैंग के अन्य सदस्य टोनी उर्फ डेविड पारदी, कीमतीलाल पारदी और अन्य साथी भी शामिल थे। पुलिस इन फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर तलाश कर रही है। पुलिस अधीक्षक द्वारा फरार आरोपियों पर इनाम घोषित किए जाने की तैयारी भी की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी आदतन अपराधी हैं। मुरार के खिलाफ हत्या, आर्म्स एक्ट, जुआ एक्ट सहित कई मामले दर्ज हैं। वहीं, रॉकी पर हत्या के प्रयास, डकैती, चोरी, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में मध्यप्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के विभिन्न थानों में प्रकरण दर्ज हैं।

खरगोन में 55 स्कूल बसें जांचीं, सब ठीक मिला मजदूरों से भरे वाहनों पर अब भी ढिलाई; हादसे का खतरा बरकरार

मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। खरगोन में नए शिक्षा सत्र के तहत पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 55 स्कूली वाहनों की जांच की। इन बसों में कोई कमी नहीं पाई गई और न ही किसी पर कार्रवाई की गई। हालांकि, शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों से भरे ओवरलोड पिकअप वाहन अब भी बेरोकटोक दौड़ रहे हैं, जिससे बड़े हादसे का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने दो माह पहले लोडिंग वाहनों में सवारी ढोने के खिलाफ कार्रवाई की थी, लेकिन अब फिर से मजदूरों से भरे ओवरलोड वाहन सड़कों पर चल रहे हैं।

पड़ोसी जिले धार में एक माह पूर्व ऐसे ही ओवरलोड पिकअप वाहन के हादसे में 18 मजदूरों की जान जा चुकी है। अफसर बोले- नजर रखी जाएगी यातायात पुलिस निरीक्षक रमेश चौहान ने कहा कि लोडेड वाहनों में सवारियों को जोखिम में बैठाकर ले जाना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि नियमित चेकिंग के दौरान ऐसे चालकों पर नजर रखी जाएगी और कार्रवाई की जाएगी सुरक्षा मानकों की जांच की गई बता दें कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार, 18 जुलाई तक स्कूल बसों की जांच का अभियान जारी है। इस दौरान बसों में प्राथमिक उपचार किट, अग्निशमन यंत्र, स्पीड गवर्नर और आपातकालीन द्वार जैसे सुरक्षा मानकों की जांच की गई। साथ ही, चालक का लाइसेंस, वाहन फिटनेस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों का भी परीक्षण किया गया। बसों में परिचय पत्र के साथ आकस्मिक सेवा और संपर्क नंबर अंकित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

नेपानगर में 150 'आपदा मित्र' तैयार बाढ़-भूकंप समेत आपदाओं से निपटने की मिली स्पेशल ट्रेनिंग

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के नेपानगर में 150 'आपदा मित्रों' को प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इन प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को बाढ़, भूकंप, आग लगने और पानी में डूबने जैसी आपातकालीन स्थितियों में आमजन की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह पहल जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और होमगार्ड्स, नागरिक सुरक्षा व आपदा प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में की गई है। प्रशिक्षण के दौरान आपदा मित्रों को पानी में डूबे व्यक्ति को बचाने, आग बुझाने के तरीके, भूकंप आपदा तैयारी, जोखिम प्रबंधन और ध्वस्त संरचनाओं में खोज व बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन जानकारी दी गई। इस समूह में दो लड़कियों को भी शामिल किया गया था, जिन्होंने सफलतापूर्वक

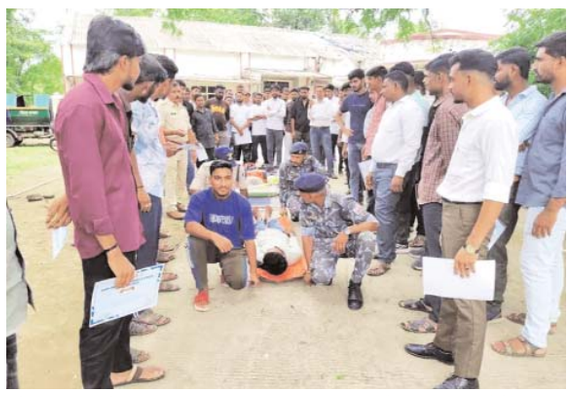

प्रशिक्षण पूरा किया।

सिविल डिफेंस वालंटियर के रूप में तैयार: होमगार्ड्स आपदा प्रबंधन के प्लाटून कमांडर जितेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि इन पंजीकृत युवाओं को आपदा सिविल डिफेंस वालंटियर के रूप में तैयार किया गया है। वे किसी भी अप्रिय स्थिति में होमगार्ड आपदा प्रबंधन विभाग का सहयोग करेंगे और मौके पर पहुंचकर प्राथमिक कार्रवाई में मदद करेंगे। यह प्रशिक्षण कलेक्टर और होमगार्ड डायरेक्टर जनरल के निर्देशों पर आयोजित किया गया। जिले में कुल 500 'आपदा मित्र' तैयार करने का लक्ष्य है। नेपानगर के बाद, अगले चरण में बुरहानपुर और खकनार में भी युवाओं का चयन कर सात-सात दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसकी तारीखें जल्द ही तय की जाएंगी।

11 महीने से फरार हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

सागर में हथियारबंद आरोपियों ने मारपीट कर मारी थी गोली, कोर्ट ने जेल भेजा

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर की मोतीनगर पुलिस ने हत्या के प्रयास मामले में फरार ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाने लाकर आरोपी से पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद शनिवार को कोर्ट पेश कर आरोपी को जेल भेज दिया गया है। आरोपी पिछले करीब 11 महीनों से फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, 27 अगस्त 2025 को फरियादी भूपेश चौबे निवासी राजीवनगर ने थाने में शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि तीजा पर्व के दौरान पुराने पारिवारिक विवाद को लेकर आरोपी मृदुल चौबे, सुरेश चौबे, विवेक चौबे, रीतेश चौबे, देवेन्द्र चौबे और रूपेश चौबे ने हथियारों से लैस होकर घर पर हमला किया। गाली-गलौज करते हुए मारपीट की गई। हमले के दौरान आरोपियों ने लोहे की रॉड, लाठी, तलवार और देशी कट्टे से प्राणघातक हमला किया। मारपीट में प्रभात चौबे, महेश चौबे, निधि चौबे और सुदामा चौबे सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। विशेष रूप से आरोपी रूपेश चौबे द्वारा सुदामा चौबे पर कट्टे से गोली चलाकर जान से

मारने का प्रयास किया गया। जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई।इ दो आरोपी पहले हो चुके थे गिरफ्तार कार्रवाई करते हुए टीम ने आरोपी सुरेश चौबे, विवेक चौबे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वारदात के शेष आरोपी फरार है। एसपी ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर ईनाम घोषित किया। इसी बीच शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र में दबिश देकर पुलिस ने फरार आरोपी रूपेश चौबे (37) निवासी हनुमान मंदिर के पास राजीवनगर को गिरफ्तार किया। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि हत्या के प्रयास मामले में फरार ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

जयपुर के क्रिकेट स्टेडियम में नहीं हो सकेंगे कोई मैच, जानें क्या है पूरा मामला

जयपुर ,एजेसीं। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में अगर आने वाले दिनों में किसी बड़े क्रिकेट मैच या दूसरे खेल आयोजन का इंतजार कर रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। फिलहाल इस ऐतिहासिक स्टेडियम में कोई खेल गतिविधि नहीं होगी। इसकी वजह कोई तकनीकी काम या टूर्नामेंट का बदलाव नहीं, बल्कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) का सख्त आदेश है। पर्यावरणीय नियमों के पालन को लेकर उठे सवालों के बीच ट्रिब्यूनल ने स्टेडियम में खेल गतिविधियों पर अंतरिम रोक लगा दी है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सभी खेल गतिविधियों पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया है। ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई 17 अगस्त तक या फिर विशेष अनुमति मिलने तक स्टेडियम में कोई क्रिकेट मैच या अन्य खेल आयोजन नहीं होगा।

एनजीटी के अनुसार, स्टेडियम प्रबंधन को पहले भी कई बार नोटिस जारी किए गए थे। इन नोटिसों में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े निर्देशों के पालन की जानकारी मांगी गई थी। लेकिन ट्रिब्यूनल का कहना है कि बार-बार अवसर देने के बावजूद संतोषजनक जवाब नहीं मिला और न ही अपेक्षित अनुपालन दिखा। इसी के बाद यह अंतरिम रोक लगाने का कठोर फैसला लिया गया। ट्रिब्यूनल द्वारा उठाए गए मुख्य मुद्दों में भूजल के अत्यधिक उपयोग पर चिंता व्यक्त की गई थी। एनजीटी ने स्टेडियम प्रबंधन को भूजल का कम से कम इस्तेमाल करने के निर्देश दिए थे। साथ ही, खेल मैदान की सिंचाई और रखरखाव के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से शोधित पानी के उपयोग को अनिवार्य किया गया था, ताकि ताजे पानी के संसाधनों पर दबाव कम हो। इसके अलावा, वर्षा जल संरक्षण की प्रभावी व्यवस्था विकसित करने के भी निर्देश दिए गए थे ताकि जल स्तर को बनाए रखा जा सके। ट्रिब्यूनल का मानना है कि इन महत्वपूर्ण पर्यावरणीय निर्देशों के पालन को लेकर अपेक्षित जवाब और अनुपालन सामने नहीं आया, जिससे पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा था।

कम से कम एक बार और लौटना चाहता हूं

विंबलडन सेमीफाइनल में मिली हार के बाद बोले नोवाक जोकोविच

लंदन ,एजेसीं। नोवाक जोकोविच को विंबलडन के पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में शुक्रवार को दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जैनिक सिनर के खिलाफ सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, जोकोविच ने संन्यास की अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा है कि वह विंबलडन में कम से कम एक बार और लौटना चाहेंगे। जोकोविच ने कहा कि वह अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब को जीतने की कोशिश जारी रखेंगे। सात बार के चैंपियन जोकोविच का 39वीं बार ग्रैंड स्लैम के सिंगल्स फाइनल में खेलने का सपना पूरा नहीं हो सका। सर्बिया के स्टार खिलाड़ी को सिनर ने 6-4, 6-4, 6-4 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। पूरे मुकाबले में सिनर ने शानदार खेल दिखाया और जोकोविच को वापसी का मौका नहीं दिया। मैच खत्म होने के बाद जब जोकोविच सेंटर कोर्ट से बाहर निकले तो दर्शकों ने खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाई। इसके तुरंत बाद यह कयास लगाए जाने लगे कि जोकोविच ने शायद विंबलडन में अपना आखिरी मैच खेल लिया है। हालांकि, जोकोविच ने इन अटकलों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, 'मैं कम से कम एक बार और विंबलडन में खेलना चाहता हूं। आगे क्या होगा, यह समय बताएगा।' 39 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने माना कि यह हार निराशाजनक रही, लेकिन इससे उनका हौसला कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अब भी विंबलडन जीतना है और इसी वजह से वह लगातार मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं निश्चित रूप से निराश हूं क्योंकि मैं यह टूर्नामेंट जीतना चाहता था। यही कारण है कि मैं खुद को लगातार बेहतर बनाने के लिए मेहनत करता हूं। 'जोकोविच ने इस टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन के सकारात्मक पहलुओं पर भी बात की। उन्होंने खास तौर पर क्वार्टर फाइनल में फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के खिलाफ मिली जीत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस मुकाबले ने यह साबित कर दिया कि वह आज भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ जीत दर्ज करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अपने प्रदर्शन पर गर्व है। मैंने खुद को और बाकी लोगों को दिखाया कि मैं अब भी सबसे ऊंचे स्तर पर खेल सकता हूं। 'जोकोविच ने यह भी स्वीकार किया कि सेमीफाइनल में वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं दिखा सके। उन्होंने कहा कि सिनर ने शानदार प्रदर्शन किया और जीत के पूरी तरह हकदार थे। जोकोविच के अनुसार, हार का दुख जरूर है, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका रवैया, संघर्ष और समर्पण सकारात्मक रहा। उन्होंने कहा, 'आज मैं अपने मनचाहे स्तर का खेल नहीं दिखा पाया। इसका थोड़ा अफसोस रहेगा, लेकिन अब आगे बढ़ने का समय है। ' 24 बार के ग्रैंड स्लम चैंपियन जोकोविच का आखिरी बड़ा खिताब पिछले साल यूएस ओपन में आया था। अब उनकी नजर इस साल होने वाले यूएस ओपन पर होगी, जहां वह रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश करेंगे।

सिंधु ने लगन और प्रतिभा से रचा ओलंपिक का स्वर्णिम इतिहास

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने भारतीय खेल इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कराया है। वह ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं, यह एक ऐसा कारनामा है जो उनकी अद्वितीय प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। 5 जुलाई, 1995 को हैदराबाद में जन्मी सिंधु को बचपन से ही खेलों का माहौल मिला। उनके माता-पिता खुद वॉलीबॉल खिलाड़ी थे, जिन्होंने अपनी बेटी को हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, सिंधु की प्रेरणा का मुख्य स्रोत 2001 में पुलेला गोपीचंद की ऐतिहासिक इंग्लैंड ओपन जीत बनी, जिसने उन्हें बैडमिंटन का रैकेट थामने के लिए प्रेरित किया। महज 8 साल की उम्र में सिंधु ने बैडमिंटन रैकेट थामा और जल्द ही खेल के प्रति उनकी लगन स्पष्ट हो गई। उन्होंने गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में दाखिला लिया, जहाँ उन्होंने इस खेल की बारीकियों को सीखा। अपनी ट्रेनिंग के प्रति पूरी तरह समर्पित सिंधु ने लंबे समय तक मोबाइल फोन से भी दूरी बनाए रखी, यह दर्शाता है कि वह अपने लक्ष्यों के प्रति कितनी गंभीर थीं। उनकी इस कड़ी मेहनत और लगन ने उन्हें बैडमिंटन में एक के बाद एक उपलब्धियों को हासिल करने में मदद की।राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद, सिंधु ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी अपनी छाप छोड़ी। 16 साल की उम्र में उन्होंने 2011 में मालदीव इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीता। इसके बाद 2012 में एशियन जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और 2013 में मलेशिया ओपन ग्रैंड प्रिक्स का खिताब उनके नाम रहा, जो उनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत था।2016 का साल सिंधु के करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ ।

फ्रांस को स्पेन से डरना चाहिए

हमने उन्हें पहले भी हराया है: लामिन यामल

लॉस एंजिल्स ,एजेसीं। बेल्जियम को 2-1 से हराकर स्पेन ने साल 2010 के बाद पहली बार फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में अब स्पेन की भिड़ंत फ्रांस से होगी। इस मैच से पहले ही स्पेन के युवा स्टार लामिन यामल ने फ्रांस को खुली चुनौती दी है। यामल का कहना है कि स्पेन किसी भी टीम से नहीं डरता और अगर किसी को डरना चाहिए तो वह फ्रांस है। उनके मुताबिक, स्पेन ने हाल के बड़े मुकाबलों में फ्रांस को हराया है और इस बार भी टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी। बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यामल का प्रदर्शन शानदार रहा और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। यामल ने कहा कि टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से ही सभी लोग स्पेन और फ्रांस के बीच मुकाबला देखना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'हम इस मैच को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि इस समय टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमें आमने-सामने होंगी।'

यामल ने साफ कहा कि स्पेन अपने आक्रामक खेल में कोई बदलाव नहीं करेगा। यामल ने कहा कि टीम हमेशा की तरह गेंद पर नियंत्रण रखते हुए अटैकिंग फुटबॉल खेलेगी। 18 वर्षीय खिलाड़ी के अनुसार, फ्रांस मजबूत टीम है, लेकिन स्पेन अपनी पहचान नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा, 'हम उसी अंदाज में खेलेंगे, जैसा हमेशा खेलते आए हैं। हमें भरोसा है कि हमारा खेल हमें जीत दिला सकता है।' फ्रांस को लेकर यामल ने बड़ा बयान देते हुए कहा, 'अगर किसी टीम को डरना चाहिए तो वह फ्रांस है, क्योंकि हमने उन्हें पहले भी हराया है। 'उन्होंने पिछले साल खेले गए यूरो 2024 के सेमीफाइनल की याद दिलाई, जहां स्पेन ने फ्रांस को 2-1 से हराया था। उस मैच में सिर्फ 16 साल के यामल ने शानदार लंबी दूरी का गोल कर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसके बाद डैनी ओल्मो के विजयी गोल के बूते स्पेन ने फाइनल जीतकर यूरोपीय चैंपियन बना था।यामल का मानना है कि उस जीत से स्पेन के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली सफलताएं टीम को बड़े मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देती हैं। इस वर्ल्ड कप में यामल अब तक केवल एक गोल कर पाए हैं, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

विराट अभी भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने में सक्षम : कपिल

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलते रहना था। कपिल के अनुसार विराट का समय से पहले इस प्रारुप से संन्यास का फैसला सही नहीं था। उन्होंने कहा कि वह विराट के इस कदम से बिल्कुल भी खुश नहीं थे। साथ ही कहा कि कोहली अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने और भारतीय टीम में वापसी करने की पूरी क्षमता मौजूद थी। कपिल ने इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए यह मायने नहीं रखता कि विराट 10 हजार टेस्ट रन पूरे करते या नहीं। उनका मानना है कि अगर विराट कुछ समय तक धैर्य दिखाते और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते, तो वह निश्चित रूप से दोबारा भारतीय टेस्ट टीम में जगह बना सकते थे।

कपिल देव ने कहा, मैं विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से सहमत नहीं था। यह 10 हजार रन या किसी रिकॉर्ड की बात नहीं थी। मुझे लगता है कि अगर वह छह महीने तक धैर्य रखते और गुस्से में प्रतिक्रिया नहीं देते तो उनके पास टीम इंडिया में वापसी का पूरा अवसर था। कपिल ने साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है। उनका मानना था कि अगर चयनकर्ता या कप्तान उन्हें मौका नहीं दे रहे थे, तो उन्हें हार मानकर संन्यास लेने की जगह पर घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रन बनाकर अपनी जगह दोबारा हासिल करनी चाहिए थी। उन्होंने विश्वास जताया, अगर सेलेक्टर उन्हें नहीं चुनते तो भी कोई बात नहीं थी। अगर कप्तान टीम में जगह नहीं देता तो भी कोई समस्या नहीं थी। उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलकर रन बनाने चाहिए थे। उनमें टेस्ट क्रिकेट खेलने की क्षमता आज भी थी और मुझे पूरा भरोसा है कि वह वापसी कर सकते थे। कपिल ने विराट के आक्रामक स्वभाव की तुलना टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी जॉन मैकेनरो से की। उन्होंने बताया कि कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो चुनौती और टकराव के बीच ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाते हैं।

चौथी बार सेमीफाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

नॉर्वे को 2-1 से दी मौत

मियामी,एजेसीं। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंग्लिश टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्वे को 2-1 से हराया। इंग्लैंड की इस जीत के नायक जूड बेलिंगहम रहे, जिन्होंने अतिरिक्त समय में टीम के लिए विजयी गोल दागा। इंग्लैंड ने साल 2018 के बाद पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया है। बेलिंगहम को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मैच की शुरुआत में नॉर्वे की टीम इंग्लैंड के डिफेंस पर हावी दिखाई दी। मैच के 36वें मिनट में एंड्रियास शेल्डरुप ने पहला गोल करते हुए नॉर्वे को 1-0 से बढ़त दिलाई। हालांकि, बेलिंगहम ने नॉर्वे की बढ़त को ज्यादा समय तक बरकरार नहीं रहने दिया और पहले हाफ के इंजरी टाइम में शानदार गोल दागते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन किसी को भी सफलता हाथ नहीं लग सकी। इसके बाद मुकाबला अतिरिक्त समय में पहुंचा, जहां 93वें मिनट में बेलिंगहम का जादू एक बार फिर देखने को मिला। उन्होंने मुकाबले का अपना दूसरा गोल करते हुए इंग्लैंड को 2-1 की बढ़त दिला दी, जो अंत तक कायम रही। नॉर्वे ने लगातार हमले करते हुए स्कोर को बराबर करने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह इंग्लैंड के डिफेंस को नहीं भेद सके।

इससे पहले, इंग्लैंड 1966, 1990 और 2018 में सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। 1966 में इंग्लैंड ने खिताब को अपने नाम किया था, लेकिन 1990 और 2018 में टीम का सफर सेमीफाइनल में ही खत्म हो गया था।

सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना अर्जेंटीना और स्विट्जरलैंड के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले के विजेता से होगा। हार के साथ ही नॉर्वे का विश्व कप में शानदार सफर थम गया। एर्लिंग हालैंड भी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में नॉर्वे की नैया को पार नहीं लगा सके। हालांकि, हालैंड का प्रदर्शन विश्व कप में कमाल का रहा और उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 7 गोल किए।

जिम्बाब्वे टी20 सीरीज से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका

दो मैच विनर खिलाड़ी चोटिल

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने इंग्लैंड दौरे और जिम्बाब्वे टी20 सीरीज से पहले टीम इंडिया में दो बड़े बदलावों का ऐलान किया है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती चोट के कारण अपनी-अपनी सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह क्रमशः प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई को भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

हर्षित राणा इंग्लैंड वनडे सीरीज से बाहर

BCCI के मुताबिक, हर्षित राणा को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच के दौरान दाईं हैमस्ट्रिंग में अचानक दर्द महसूस हुआ। मेडिकल स्कैन में उन्हें ग्रेड-1 राइट हैमस्ट्रिंग इंजरी पाई गई, जिसके बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया। हर्षित की जगह युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को वनडे टीम में शामिल किया गया है। हर्षित अब आगे के इलाज और रिहैबिलिटेशन के लिए बेंगलुरु स्थित BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (COE) में रिपोर्ट करेंगे।

वरुण चक्रवर्ती भी जिम्बाब्वे टी20 सीरीज से बाहर

टीम इंडिया को दूसरा झटका स्पिन विभाग में लगा है। मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले के दौरान चोटिल हो गए थे। जांच में उनकी लेफ्ट हैमस्ट्रिंग में ग्रेड-2 इंजरी सामने आई, जिसके चलते उन्हें 23 जुलाई से शुरू होने वाली जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से बाहर कर दिया गया। वरुण की गैरमौजूदगी में चयन समिति ने अनुभवी लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को टीम में शामिल किया है। वह भी लंबे समय बाद भारतीय टी20 टीम में वापसी करेंगे।

क्रिकेट बोर्ड ने जारी किया आधिकारिक बयान

BCCI ने अपने बयान में कहा कि पुरुष चयन समिति ने हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती की जगह क्रमशः प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई को टीम में शामिल किया है। दोनों चोटिल खिलाड़ियों का इलाज और रिहैबिलिटेशन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा, जहां उनकी मेडिकल निगरानी जारी रहेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने ई-मालखाना का किया शुभारंभ

नवीन बस सहित चार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज कांकेर सिटी कोतवाली थाने में ई-मालखाना का शुभारंभ किया। उन्होंने इस मौके पर जिला पुलिस को प्राप्त एक नवीन बस सहित चार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कांकेर सिटी कोतवाली में स्थापित ई-मालखाना क्यूआर कोड आधारित प्रदेश का पहला थाना है, जहां डिजिटल ट्रैकिंग प्रबंधन प्रणाली को पारदर्शी, आधुनिकीकरण और सुव्यवस्थित ढंग से सरलीकृत किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने ई-मालखाना के शुभारंभ के बाद जब्तशुदा सामानों की ऑनलाइन ट्रैकिंग प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने जिला पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए इसे बेहतर व्यवस्था बताया। उप मुख्यमंत्री को पुलिस अधीक्षक श्री निखिल राखेचा ने बताया कि ई-मालखाना प्रणाली एक आधुनिक डिजिटल प्रबंधन व्यवस्था है, जिसके माध्यम से अपराध के दौरान विभिन्न प्रकरणों में जब्त की गई संपत्तियों एवं दस्तावेजों का सुरक्षित, पारदर्शी एवं व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाएगा। इस प्रणाली का उद्देश्य जब्त संपत्ति के रखरखाव को अधिक सुरक्षित, सुगम एवं जवाबदेह बनाना है, ताकि विवेचना एवं न्यायालयीन प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सामग्री को शीघ्रता से खोजकर प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि ई-मालखाना में जब्त किए गए वाहन, मोबाइल फोन, नकदी, हथियार, आभूषण, एनडीपीएस प्रकरणों से संबंधित सामग्री तथा अन्य केस प्रॉपर्टी का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाता है, जिससे प्रत्येक वस्तु का सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित डेटा उपलब्ध रहता है।उल्लेखनीय है कि जिला पुलिस कांकेर द्वारा अपराध के दौरान जब्तशुदा हथियारों, उपकरणों व सामानों के रखरखाव की प्रबंधन प्रणाली को पारदर्शी, आधुनिकीकृत और सुव्यवस्थित बनाने के लिए ई-मालखाना शुरू किया गया है, जिसमें संपूर्ण रिकॉर्ड ऑनलाइन किया जा रहा है। प्रत्येक बॉक्स के लिए क्यूआर कोड जनरेट किया गया है। बॉक्स में चस्पा क्यूआर कोड को स्कैन करते ही अपराध प्रकरण का विवरण, बॉक्स में बंद जब्त सामान की जानकारी संख्या और तिथि सहित मिल जाती है। साथ ही जब्त सामान या उपकरण जैसे मोबाइल, नकदी, हथियार, आभूषण, मादक द्रव्य, प्रॉपर्टी डॉक्यूमेंट्स आदि का डिजिटल रिकॉर्ड क्यूआर कोड की स्कैनिंग से आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इससे डिजिटल अभिलेख और पेपरलेस वर्क भी आसान तरीके से मुहैया हो जाएगा। प्रदेश में क्यूआर कोड के जरिए मालखाने के डिजिटाइजेशन का कार्य कांकेर पुलिस द्वारा प्रारंभ किया गया है। प्रदेश के थानों में अब तक बार कोड स्कैनर की सुविधा थी, लेकिन क्यूआर कोड से डिजिटल मालखाना प्रबंधन प्रणाली पहली बार लागू की गई है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में उत्कृष्ट सेवा देने वाले पुलिस जवानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। सांसद श्री भोजराज नाग, विधायक श्री आशाराम नेताम, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी तथा कांकेर नगर पालिका के अध्यक्ष श्री अरुण कौशिक,उपाध्यक्ष श्री उत्तम यादव, श्री सतीश लाटिया, श्री महेश जैन, श्री आलोक ठाकुर, पूर्व विधायक श्रीमती सुमित्रा मारकोले, एएसपी श्री आकाश श्रीश्रीमाल और जिला पंचायत के सीईओ श्री हरेश मंडावी सहित गृह विभाग के अधिकारी और गणमान्य नागरिक भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

नगरीय प्रशासन विभाग में 122 अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के 122 अधिकारियों-कर्मचारियों की नवीन पदस्थापना की है। इनमें 66 अभियंता और 56 विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारी हैं। स्थानांतरित अधिकारियों-कर्मचारियों में कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता, प्रोग्रामर, राजस्व निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक से लेकर सहायक कार्यालय अधीक्षक, तकनीकी सहायक, लेखपाल, सहायक ग्रेड-2, सहायक ग्रेड-3, डॉटा एंट्री ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, सहायक राजस्व निरीक्षक, समयपाल, कैशियर, वाहन चालक, चौकीदार, पंप अटेंडेंट और भृत्य शामिल हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने स्थानांतरित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर 7 दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण कर विभाग को सूचित करने के निर्देश दिए हैं। समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर वर्तमान स्थान से वेतन आहरित नहीं होगा। इसके उल्लंघन पर नियंत्रण अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

बस्तर में बढ़ेगा तिलहनी फसलों का रकबा कृषि विज्ञान केंद्र की अनूठी पहल, 225 एकड़ में रामतिल और तिल के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर जिले में किसानों की आय बढ़ाने और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने की दिशा में कृषि विज्ञान केंद्र ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। खरीफ सीजन में जिले के विभिन्न विकासखंडों में 225 एकड़ क्षेत्र में रामतिल (नाइजर) और तिल (सेसमे) के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य मक्का जैसी पारंपरिक फसलों के विकल्प के रूप में कम लागत और अधिक लाभ देने वाली तिलहनी फसलों को बढ़ावा देना है, जिससे किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ मिल सके। '200 एकड़ में रामतिल, 25 एकड़ में तिल का प्रदर्शन' कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा तैयार कार्ययोजना के अनुसार बस्तानार, बस्तर, दरभा तथा चित्रकोट के गुरिया क्षेत्र में कुल 200 एकड़ में रामतिल का प्रदर्शन किया जाएगा। इस कार्यक्रम से लगभग 100 से 200 प्रगतिशील किसानों को जोड़ा जा रहा है। प्रत्येक किसान को न्यूनतम एक एकड़ और अधिकतम दो एकड़ क्षेत्र के लिए उन्नत किस्म के बीज तथा आधुनिक तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। अगस्त माह में बुआई प्रस्तावित है और इसके लिए किसानों का चयन अंतिम चरण में है। इसी प्रकार तोकापाल और बस्तर विकासखंड में 25 एकड़ क्षेत्र में तिल का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में 15 से 25 किसानों को शामिल किया गया है तथा अधिकांश क्षेत्रों में बुआई की प्रक्रिया लगभग पूर्ण हो चुकी है। 'कम लागत में बेहतर उत्पादन का विकल्प' कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार यह कार्यक्रम शासन की फसल विविधीकरण नीति के अनुरूप संचालित किया जा रहा है। रामतिल और तिल ऐसी तिलहनी फसलें हैं, जिनमें रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता अपेक्षाकृत कम होती है तथा कीट एवं रोगों का प्रकोप भी बहुत कम देखने को मिलता है। इससे किसानों की उत्पादन लागत घटती है और उन्हें अधिक शुद्ध लाभ प्राप्त होता है। 'रामतिल से बढ़ेगा प्राकृतिक परागण, धान उत्पादन को भी मिलेगा लाभ' विशेषज्ञों का मानना है कि रामतिल के आकर्षक पीले फूल बड़ी संख्या में मधुमक्खियों को आकर्षित करते हैं। धान में फूल आने के समय मधुमक्खियों की सक्रियता बढ़ने से प्राकृतिक परागण बेहतर होता है, जिसका सकारात्मक प्रभाव आसपास के धान के खेतों की उत्पादकता पर भी पड़ता है। इस प्रकार रामतिल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक है, बल्कि कृषि पारिस्थितिकी को भी मजबूत बनाता है।

बस्तर के रघुचंद कर्रे का बिजली बिल हुआ शून्य-पीएम सूर्य घर योजना से

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए केंद्र सरकार भारी सब्सिडी और आसान किश्तों पर लोन देती है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना बस्तर के परिवारों के लिए आर्थिक राहत और आत्मनिर्भरता का एक बड़ा माध्यम बनकर उभर रही है। इसका एक प्रेरक उदाहरण जिले के ग्राम तेलीमारेंगा निवासी हितग्राही श्री रघुचंद कर्रे हैं। उन्होंने इस जनहितकारी योजना के तहत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराया है, जिससे वे न केवल बिजली के बढ़ते खर्च से मुक्त हुए हैं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाया है। रघुचंद कर्रे ने बताया कि वे पूर्व से बिजली के सामान्य उपभोक्ता हैं। सोलर प्लांट लगने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1,500 रूपए आता था, जो हर महीने उनके परिवार के बजट पर एक अतिरिक्त बोझ साबित होता था। जब उन्हें इस योजना के बारे में पता चला, तो उन्होंने तुरंत आवेदन कर इसका लाभ उठाया। योजना के तहत उनके घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित किया गया। इस प्लांट की स्थापना के साथ ही उन्हें केंद्र सरकार की ओर से 1 लाख 8 हजार रुपए की भारी सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे उनके लिए यह संयंत्र लगाना बेहद आसान और किफायती हो गया। सोलर संयंत्र शुरू होने के बाद अब रघुचंद के घर की अधिकांश बिजली की आवश्यकताएं इसी से पूरी हो रही हैं। सोलर प्लांट से उत्पन्न होने वाली अतिरिक्त बिजली सीधे बिजली कंपनी (ग्रिड) को मिल रही है, जिसके चलते उनका मासिक बिजली बिल अब लगभग शून्य (0) हो गया है। श्री रघुचंद कर्रे ने कहा कि पहले हर महीने करीब डेढ़ हजार रुपए बिजली बिल देना पड़ता था, जिससे परिवार का बजट प्रभावित होता था। अब बिल शून्य हो गया है और हर महीने अच्छी बचत हो रही है। यह योजना हमारे जैसे मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

पंचायत के कार्यों में गुणवत्ता हो सर्वोच्च प्राथमिकता - उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा ग्रामीण विकास से जुड़े सभी कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को कमर कसकर अगले आठ महीनों में निर्धारित सभी लक्ष्यों को तेजी और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने आज नवा रायपुर अटल नगर स्थित महानदी भवन में वीबी जीरामजी योजना एवं पंचायत विभाग के विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ) से जुड़े। उप मुख्यमंत्री ने सभी जिला पंचायत सीईओ को अपने-अपने विकासखंडों का नियमित भ्रमण करने, निर्माण कार्यों की सतत निगरानी रखने तथा आमजन की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कौशल विकास से आत्मनिर्भर बनेंगे युवा: मंत्री रामविचार नेताम

डीएमएफ की बैठक में पर्यटन आधारित रोजगार पर जोर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कृषि एवं कृषक कल्याण तथा पशुपालन मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा है कि बलरामपुर जिले में पर्यटन की अपार संभावनाओं को योजनाबद्ध ढंग से विकसित कर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटन आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण तैयार कर युवाओं को गाइड, होम-स्टे, होटल प्रबंधन एवं अन्य पर्यटन सेवाओं से जोड़ने की प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए, ताकि प्रशिक्षण के बाद प्रत्येक युवा को रोजगार या स्वरोजगार का अवसर मिल सके।

मंत्री श्री नेताम शनिवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) शासी परिषद समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उन्होंने डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

खाद वितरण में खैरागढ़ जिला प्रदेश में प्रथम 83.82 प्रतिशत उर्वरक का हुआ वितरण

कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल की सतत मॉनिटरिंग और प्रभावी प्रबंधन का दिखा सकारात्मक परिणाम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खरीफ वर्ष 2026 में किसानों को समय पर रासायनिक उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए किए गए सुनियोजित प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला उर्वरक वितरण के मामले में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। 09 जुलाई 2026 की स्थिति में जिले में कुल 21,452 टन रासायनिक खाद का भंडारण किया गया, जिसमें से 17,980 टन खाद किसानों को वितरित की जा चुकी है। इस प्रकार जिले में 83.82 प्रतिशत उर्वरक वितरण दर्ज किया गया है, जो प्रदेश में सर्वाधिक है। कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल द्वारा खरीफ सीजन को देखते हुए उर्वरक भंडारण एवं वितरण व्यवस्था की लगातार समीक्षा की जा रही है। उनके निर्देशन में कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक तथा सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से खाद की उपलब्धता, परिवहन और वितरण की नियमित मॉनिटरिंग की गई। यही कारण है कि जिले में किसानों को आवश्यकता के अनुरूप समय पर खाद उपलब्ध हो रही है तथा वितरण व्यवस्था बिना किसी बाधा के संचालित हो रही है कृषि विभाग के अनुसार जिले की सभी सेवा सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का भंडारण सुनिश्चित किया गया है। वर्तमान में जिले के किसी भी क्षेत्र से खाद की कमी की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। किसानों को डीएपी, यूरिया एवं अन्य आवश्यक उर्वरक सुगमता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा मांग के अनुरूप निरंतर आपूर्ति भी की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नक्सल प्रभावित जिलों में विकास और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देशनक्सल प्रकरण वापसी हेतु हर सप्ताह होगी बैठक

प्रभावित परिवारों को मिले हर संभव सहायता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित पुलिस विभाग की समीक्षा बैठक में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में राहत, पुनर्वास एवं विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नक्सल मामलों में जेल में निरुद्ध ऐसे आरोपियों, जिनके विरुद्ध गंभीर जनहानि के प्रकरण नहीं हैं, उनके मामलों की विधिसम्मत समीक्षा कर रिहाई की प्रक्रिया में आवश्यक कार्रवाई की जाए, जिसके लिए विधि विभाग की सहायता से अभियोजन एवं वकीलों का दल बनाकर प्रकरण वापसी पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही प्रत्येक सप्ताह इसकी प्रगति की समीक्षा बैठक संबंधित प्रकरण से जुड़े जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे नक्सल प्रकरण जिनमें जनहानि नहीं हुई है उनमें जेल में निरुद्ध नक्सल आरोपियों की रिहाई आवश्यक है। कभी अति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के तीव्र विकास के लिए शासन द्वारा नक्सल मुक्त प्रस्ताव पारित कर ऐसे ग्रामों में 1-1 करोड़ रुपयों के विकास कार्य स्वीकृत किए जाएंगे, जिससे ग्रामीणों को आजीविका प्राप्त होने के साथ ग्रामों का विकास भी होगा। इसके लिए वर्तमान में 50 ग्रामों को चिन्हित किया गया है। जिसमें सुकमा के 20, बीजापुर के 20 एवं नारायणपुर के 10 ग्राम शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि आगामी 15 अगस्त 2026 को सभी नक्सल मुक्त हुए गांवों में तिरंगा फहराया जाएगा, जिससे राष्ट्रीय एकता, विश्वास और जनभागीदारी का संदेश गांव-गांव तक पहुंचेगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी नक्सल पीड़ित एवं पुनर्वासित परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के विशेष प्रावधानों के तहत आवास उपलब्ध कराया जाए। जिन क्षेत्रों में बड़ी नक्सली घटनाएं हुई हैं, वहां सामुदायिक स्मारकों का निर्माण भी कराया जाए ताकि शहीदों एवं पीड़ितों की स्मृतियों को सम्मान मिल सके। उन्होंने जिलावार नक्सली घटनाओं में शहीद हुए जवानों एवं मृत नागरिकों के मामलों, उनके परिजनों को प्रदान की गई सहायता तथा लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिजनों को शासन की सभी निर्धारित सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं और किसी भी स्तर पर विलंब न हो। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पुनर्वास नीति का पालन करते हुए पुनर्वासित युवाओं को घोषित प्रोत्साहन राशि का अगले एक माह के भीतर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नक्सल पीड़ितों एवं पुनर्वासितों को दी जाने वाली सुविधाओं के लिए तैयार डेश बोर्ड में जानकारी प्रविष्ट करने को कहा। उन्होंने माओवादियों द्वारा लुटे गए हथियारों की बरामदगी पर अंतर्राज्यीय समिति बनाकर मिलान करने एवं जंगल में कोई भी हथियार ना छूटे यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव सुश्री निहारिका सिंह बारिक, सचिव श्रीमती नेहा चम्पावत, एडीजी श्री विवेकानंद सिन्हा सहित गृह विभाग, पुलिस विभाग तथा संबंधित जिलों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बस्तर की जैविक खेती को मिलेगा वैश्विक बाजार, यूरोप तक पहुंचेंगे जैविक उत्पाद उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर संभाग के जैविक उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बड़े बाजारों तक पहुंचाने तथा किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने शुक्रवार को नवा रायपुर अटल नगर स्थित महानदी भवन (मंत्रालय) में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में बस्तर के उन गांवों की पहचान कर उनका जैविक प्रमाणन कराने के निर्देश दिए, जहां आज तक किसानों ने रासायनिक उर्वरकों का उपयोग नहीं किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे गांव छत्तीसगढ़ की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर हैं और इनकी जैविक पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि हाल ही में नारायणपुर और कांकेर के नक्सल मुक्त हुए ग्रामों के अपने बस्तर प्रवास के दौरान अनेक किसानों ने उन्हें जानकारी दी थी कि उन्होंने अपने खेतों में कभी भी रासायनिक उर्वरकों का उपयोग नहीं किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे गांवों को चिन्हित कर राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) से जोड़ा जाए, ताकि उनके उत्पादों का विधिवत जैविक प्रमाणन कराया जा सके और उन्हें देश के बड़े बाजारों के साथ-साथ यूरोप सहित अन्य विदेशी बाजारों तक पहुंचाया जा सके। **जैविक प्रमाणन से किसानों की आय में होगा बड़ा इजाफा:** श्री शर्मा ने कहा कि जैविक प्रमाणन के बाद बस्तर के किसानों को उनके उत्पादों का वर्तमान मूल्य की तुलना में तीन से चार गुना अधिक मूल्य प्राप्त हो सकेगा।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से किसानों को मिली राहत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन किसानों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत दावा राशि प्राप्त नहीं होने संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खैरागढ़ जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग ने संबंधित बीमा कंपनी के साथ समन्वय स्थापित कर पात्र किसानों को उनकी स्वीकृत दावा राशि का भुगतान सुनिश्चित कराया है।मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण के दौरान प्रत्येक प्रकरण की गंभीरतापूर्वक जांच की गई। आवश्यक दस्तावेजों एवं अभिलेखों के सत्यापन के उपरांत विकासखंड छुईखदान के ग्राम चोभर निवासी कृषक श्री हरी पटेल को 4,283 रूपए ग्राम सलौनी निवासी श्री दुलरवा वर्मा को 58,623 रूपए तथा विकासखंड खैरागढ़ के ग्राम चारभाठा निवासी श्री धनसिंह को 21,039 रूपए की दावा राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। दावा राशि प्राप्त होने से किसानों को आर्थिक राहत मिली है। जिला प्रशासन ने बताया कि शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा संबंधित विभागों को समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए गए हैं, जिससे आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, प्रतिकूल मौसम तथा अन्य कारणों से होने वाले फसल नुकसान के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है।

प्रधानमंत्री आवास योजना और महतारी वंदन योजना से बदली फूलमती देवी के परिवार की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के मठपारा निवासी श्रीमती फूलमती देवी का परिवार इसका प्रेरक उदाहरण है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत पक्का मकान मिलने और महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलने से उनके परिवार के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और नई उम्मीद का संचार हुआ है। श्रीमती फूलमती देवी ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली मासिक सहायता राशि का उपयोग वे बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में करती हैं। उन्होंने बताया कि उनके तीन बेटे और दो बेटियां हैं। परिवार का मुख्य आधार मेहनत-मजदूरी है, लेकिन सीमित आय के बावजूद वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उनके अनुसार यह सहायता राशि बच्चों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण सहयोग दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर मिलना उनके परिवार के लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। पहले वे कच्चे और छप्पर वाले मकान में रहते थे, जहां विशेषकर बरसात के मौसम में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब सुरक्षित और पक्के आवास में रहने से पूरे परिवार का जीवन अधिक सहज और सम्मानजनक हो गया है। फूलमती देवी के पति श्री संजय चौधरी ने बताया कि उनकी पत्नी के नाम से स्वीकृत आवास मिलने से परिवार की वर्षों पुरानी चिंता समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि पहले शौचालय और स्नानघर जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में परिवार, विशेषकर महिलाओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब पक्के मकान के साथ सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने से जीवन अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बन गया है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं ने उनके परिवार को नई पहचान, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की उम्मीद दी है। अब वे अपने बच्चों की शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित हैं। श्रीमती फूलमती देवी और श्री संजय चौधरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) तथा महतारी वंदन योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की ऐसी जनहितकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों तक निरंतर पहुंचना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा